www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 201 | जौनपुर सोमवार, 09 मार्च 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

दिल्ली का विकास सिर्फ एक शहर का विकास नहीं होता, यह पूरे देश की छवि से जुड़ा है : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 33,500 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दिल्ली सिर्फ भारत की राजधानी नहीं है, यह भारत की पहचान और ऊर्जा का प्रतीक है। दिल्ली का विकास सिर्फ एक शहर का विकास नहीं होता, यह पूरे देश की छवि से जुड़ा होता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया का कोई भी व्यक्ति जब भारत जैसे विशाल लोकतंत्र के बारे में सोचता है तो अक्सर उसके मन में दिल्ली की तस्वीर आती है। हम सब दिल्ली में विकास को नई गति देने के लिए यहां इकट्ठे हुए हैं। पीएम मोदी ने कहा, "यहां 33,500 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। मेट्रो के विस्तार से लेकर हजारों सरकारी कर्मचारियों के आवासों तक, देश की राजधानी में सुविधाओं का लगातार मजबूत विस्तार हो रहा है, एक नई मजबूती दी जा रही है। आप लोगों ने एक साल पहले जिस नई उम्मीद और संकल्प के साथ दिल्ली में भाजपा की सरकार बनाई थी, उसका परिणाम आज यहां दिख रहा है। मैं दिल्ली के सभी नागरिकों को विकास की इस अविरत धारा के लिए बहुत–बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि दिल्ली कुछ दिन पहले नमो भारत जैसी तेज ट्रेन के जरिए मेरठ से जुड़ी है। इससे दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बीच यात्रा आसान हो गई है। आज मेट्रो फेस–4 के शुरू होने के साथ दिल्ली मेट्रो का नेटवर्क 375 किलोमीटर से भी आगे पहुंच गया है। दुनिया के बड़े–बड़े शहरों में भी मेट्रो का इतना बड़ा नेटवर्क नहीं है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि आज जो मेट्रो का नया सेक्शन शुरू हुआ है, उससे राजधानी के लाखों लोगों को बहुत बड़ी सुविधा मिलने वाली है। खास तौर पर पूर्वी और उत्तर–पूर्वी दिल्ली के लोगों के लिए अब रोज का सफर पहले से कहीं ज्यादा आसान होगा।

संक्षिप्त खबरें

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने जिरीबाम–इंफाल रेलवे प्रोजेक्ट की समीक्षा की

गुवाहाटी, (एजेंसी)। नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे (एनएफआर) के सीनियर अधिकारियों ने जनरल मैनेजर (कंस्ट्रक्शन) आशीष बंसल के नेतृत्व में मणिपुर के मुख्यमंत्री खेमचंद युमनाम से मुलाकात की और 111 किलोमीटर लंबे महत्वपूर्ण जिरीबाम–इंफाल रेलवे प्रोजेक्ट की प्रगति पर चर्चा की। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ऑफिस (सीएमओ) के एक अधिकारी ने बताया कि बंसल और रेलवे के दूसरे अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को असम से सटे जिरीबाम को राज्य की राजधानी इंफाल से जोड़ने वाली रेलवे लाइन के लेटेस्ट डेवलपमेंट और कंस्ट्रक्शन प्रोग्रेस के बारे में बताया। फेसबुक पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा, ष्एनएफ रेलवे कंस्ट्रक्शन (मालीगांव) के जनरल मैनेजर आशीष बंसल और साथ आए अधिकारियों ने सेक्रेटेरिएट में मुझसे मुलाकात की। डेलीगेशन ने मुझे इंफाल को जोड़ने वाली रेलवे लाइन के कंस्ट्रक्शन की लेटेस्ट प्रोग्रेस के बारे में बताया, जो राज्य के लिए एक लैंडमार्क इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है।ष उन्होंने आगे कहा, ष्इस बात पर जोर दिया गया कि इस रेलवे लाइन के चालू होने से मणिपुर का ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर काफी मजबूत होगा, कनेक्टिविटी बढ़ेगी और एक ज्यादा कुशल और सुरक्षित सप्लाई चेन सुनिश्चित होगी। यह बदलाव लाने वाला प्रोजेक्ट माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के मुताबिक, हमारे लोगों के लिए जीवन को आसान बनाने में बहुत मदद करेगा।

मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी की मांग करना ही उनका एजेंडा – जॉन ब्रिटास

तिरुवनंतपुरम, (एजेंसी)। सीपीआई (एम) के सांसद जॉन ब्रिटास ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब भी वे केरल आते हैं, उनका एक ही एजेंडा होता है, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की गिरफ्तारी की मांग करना। जॉन ब्रिटास ने सोशल मीडिया पर राहुल गांधी का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें राहुल गांधी कह रहे हैं कि केंद्रीय जांच एजेंसियां विपक्षी दलों के खिलाफ कार्रवाई तो करती हैं लेकिन वे केरल के मुख्यमंत्री और उनके परिवार वालों पर एक्शन नहीं लेती हैं।राहुल गांधी का यही वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए सांसद जॉन ब्रिटास ने लिखा कि इंडिया गठबंधन के नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी जब भी केरल आते हैं, तो उनका एक ही एजेंडा होता है, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की गिरफ्तारी की मांग करना। उन्होंने आगे लिखा कि लेकिन वह साफ–साफ नहीं बताते कि आखिर मुख्यमंत्री ने ऐसा क्या किया है कि ईडी या सीबीआई को उन्हें गिरफ्तार करना चाहिए। इसके बावजूद वे बार–बार पिनाराई विजयन की गिरफ्तारी की मांग करते हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु के बंगाल दौरे पर केंद्र सरकार सख्त, पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव से मांगा जवाब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान विवादित स्थिति के मामले में केंद्र सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव से जवाब तलब किया है। केंद्रीय गृह सचिव ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर रविवार शाम 5 बजे तक स्पष्टीकरण देने को कहा है। उनसे पूछा गया है कि राष्ट्रपति के दौरे के दौरान तय प्रोटोकॉल का पालन क्यों नहीं किया गया। ज्ञात हो, राष्ट्रपति मुर्मु कल शनिवार को बागडोगरा एयरपोर्ट के पास आयोजित आदिवासी समुदाय के एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य सरकार के मंत्रियों की अनुपस्थिति का जिक्र करते हुए नाराजगी जाहिर की थी। राष्ट्रपति ने यह भी सवाल उठाया था कि पहले से तय कार्यक्रम स्थल को आखिर क्यों बदला गया। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय गृह सचिव ने पश्चिम बंगाल सरकार से कई बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने पूछा है कि राष्ट्रपति के दौरे से जुड़े सुरक्षा और प्रोटोकॉल से संबंधित 'ब्लू बुक' नियमों का पालन क्यों नहीं किया गया। साथ ही, यह भी स्पष्ट करने को कहा गया है कि कार्यक्रम का वेन्यू अचानक बदलने की जरूरत क्यों पड़ी। राष्ट्रपति ने कार्यक्रम में अपेक्षाकृत कम लोगों की मौजूदगी पर भी असंतोष जताया था। जानकारी के अनुसार, यह कार्यक्रम पहले बिधाननगर में आयोजित किया जाना था लेकिन बाद में इसका स्थान बदलकर बागडोगरा के पास कर दिया गया। सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि आमतौर पर जब राष्ट्रपति किसी राज्य के दौरे पर जाते हैं, तो मुख्यमंत्री उनका स्वागत करते हैं और अन्य मंत्री भी कार्यक्रम में मौजूद रहते हैं।

कर्तव्य पथ बना नारी शक्ति का साक्षी, अन्नपूर्णा देवी सहित कई महिलाओं ने किया शक्ति वॉक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कर्तव्य पथ पर रविवार को नारी शक्ति का सैलाब देखने को मिला। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित शक्ति वॉक में हर क्षेत्र की महिलाओं ने भागीदारी की। वॉक की शुरुआत महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने की। इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, अनुप्रिया पटेल, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर भी मौजूद रहीं। सभी महिलाओं ने इंडिया गेट से विजय चौक तक वॉक कर नारी शक्ति और सशक्तिकरण का उत्सव मनाया। इस मौके पर महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने सभी महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि भारत की नारी शक्ति आज हर क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रही है, रक्षा, विज्ञान, खेल, उद्यमिता और शासन तक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अनेक पहल और अवसर सुनिश्चित किए गए हैं, जिससे वे आत्मविश्वास के साथ राष्ट्र निर्माण का नेतृत्व कर रही हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की नारियां ही विकसित भारत की आधारशिला हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उसी नारी सशक्तिकरण के संकल्प का उत्सव है।

28 करोड़ से अधिक जनधन खाते महिलाओं के पास, नए भारत में बढ़ रही भागीदारी : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि वित्तीय सेवाओं तक पहुंच ने महिलाओं को असली आजादी तक पहुंचने में मदद की है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में, वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि जनधन खाता और "लखपति दीदियों" जैसी सरकारी योजनाएं महिलाओं को वित्तीय रूप से मजबूत कर रही हैं और पूरे भारत में घरों और समुदायों को नया आकार दे रही हैं। जन धन योजना की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, देश में अब तक 57.71 करोड़ जनधन खाते खोले जा चुके हैं। वहीं, लखपति दीदी योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। इस योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं को ट्रेनिंग, फाइनेंस और अन्य संसाधनों की मदद दी जाती है। इसका लक्ष्य महिलाओं को इतना सक्षम बनाना है कि वे सालाना एक लाख रुपए या उससे ज्यादा की आय अर्जित कर सकें। इससे ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भर बनने का मौका मिलता है। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, "जब महिलाओं को वित्तीय सहायता मिलती है, तो उन्हें स्वतंत्रता मिलती है। महिलाओं के पास अब 28 करोड़ से अधिक जन धन खाते हैं, जो पूरे भारत में घरों तक वित्तीय सेवाएं पहुंचा रहे हैं और उनकी वित्तीय स्वतंत्रता को मजबूत कर रहे हैं।" इसी प्रकार, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी राष्ट्र निर्माण में महिलाओं के योगदान की सराहना की। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि "नारी शक्ति" नए भारत के निर्माण का आधार है और देश के विकास के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए अवसर सृजित करने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। गोयल ने आगे कहा कि महिलाएं दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास के साथ भारत के परिवर्तन का नेतृत्व कर रही हैं, चाहे वह उद्यमशीलता हो, खेल, रक्षा, विज्ञान या ग्रामीण विकास। इस दिन को मनाते हुए।

राम नगरी के रामकथा पार्क में बन रहा है आधुनिक नवीन पर्यटक आवास गृह

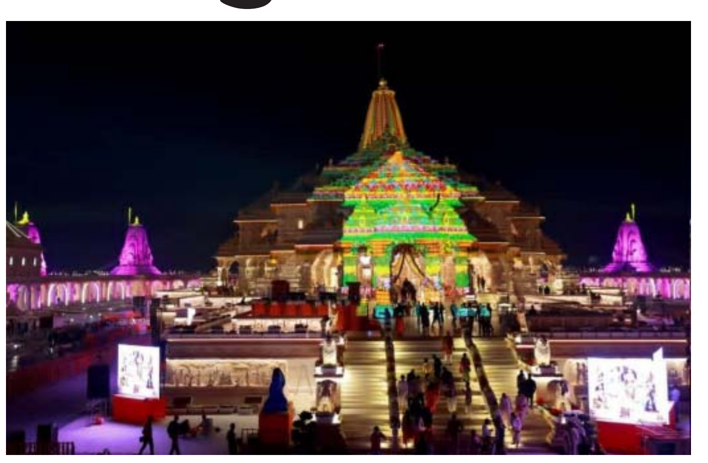

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा के बाद से अयोध्या में श्रद्धालुओं का आवागमन तेजी से हो गया है।राम मंदिर दर्शन करने के लिए सिर्फ भारत से ही नहीं बल्कि विदेशों से भी भारी संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं। जिसके चलते रामनगरी में श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रहती है इन श्रद्धालुओं को किसी तरह के कठिनाई न हो इसके केंद्र व राज्य सरकार के साथ–साथ जिला व पुलिस प्रशासन कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। इसके साथ ही साथ रामनगरी में पर्यटकों की सुविधा के लिए शासन प्रशासन द्वारा चौमुखी विकास किया जा रहा है।उसी कड़ी में तेजी से संवर रही रामनगरी में आने वाले अब हर श्रद्धालु को 'अतिथि देवो भवः' की भावना के अनुरूप सत्कार मिलेगा। इसके लिए रामकथा पार्क में एक आधुनिक नवीन पर्यटक आवास गृह (गेस्ट हाउस) का निर्माण कार्य जोर–शोर से चल रहा है।यह परियोजना अयोध्या में बढ़ते पर्यटकों की संख्या को देखते हुए ठहरने की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। रामकथा पार्क पहले से ही रामायण की कथाओं को जीवंत रूप में दर्शाने वाला महत्वपूर्ण स्थल है। अब एक नए जी प्लस 3 मंजिला भवन के रूप में और आकर्षक बनने जा रहा है।इस पर्यटक आवास गृह में कुल 34 कमरों की सुविधा उपलब्ध होगी, जो श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आरामदायक ठहरने का विकल्प प्रदान करेगी।भवन की कुल अनुमानित लागत 2421.08 लाख रुपये है।यह निर्माण कार्य यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड निर्माण इकाई –11 अयोध्या की देखरेख में हो रहा है,जबकि पीपीई प्रणाली के तहत एलएंडटी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा कार्यान्वयन किया जा रहा है। एलएंडटी जैसी प्रतिष्ठित कंपनी के हाथों में होने से निर्माण की गुणवत्ता और समयबद्धता पर पूरा भरोसा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के विकास को अपनी प्राथमिकता बनाया हुआ है। राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के बाद से यहां पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। ऐसे में ठहरने की सुविधाओं का विस्तार अनिवार्य हो गया था। रामकथा पार्क में यह नया आवास गृह न केवल सामान्य पर्यटकों के लिए बल्कि मध्यम वर्ग के श्रद्धालुओं के लिए भी किफायती और सुविधाजनक विकल्प साबित होगा।बता दें कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में चल रहे अन्य प्रोजेक्ट्स जैसे घाटों का सौंदर्यीकरण, सड़कों का चौड़ीकरण, टेंट सिटी और थीम पार्क आदि के साथ यह नया पर्यटक आवास गृह अयोध्या की छवि को और निखार देगा। इस नए पर्यटक आवास गृह को पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। इसमें 34 कमरें, किचिन, रेस्टोरेंट, लिफ्ट, वातानुकूलित कमरे, रिसेप्शन लॉबी, आधुनिक स्नानघर, वाई–फाई, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाएं शामिल होंगी। कमरों का डिजाइन ऐसा रखा गया है कि पर्यटक रामकथा पार्क की हरियाली और रामायण से जुड़े वातावरण का पूरा आनंद ले सकें। पार्क में रामायण के विभिन्न प्रसंगों को दर्शाने वाली मूर्तियां, भित्ति चित्र और अन्य आकर्षण पहले से मौजूद हैं,और यह नया गेस्ट हाउस इन्हें और अधिक सुलभ बनाएगा।यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड अयोध्या के परियोजना प्रबंधक मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि निर्माण कार्य में तेजी लाई जा रही है ताकि जल्द से जल्द इसे पूरा किया जा सके और पर्यटकों को इसका लाभ मिल सके। रामकथा पार्क पहले से ही एक लोकप्रिय स्थल है, जहां लोग रामायण की कथाओं को सुनते और देखते हैं। अब इस नए गेस्ट हाउस के बनने से पार्क का महत्व और बढ़ जाएगा, क्योंकि पर्यटक यहां ठहरकर आसानी से राम मंदिर, सरयू घाट और अन्य निकटवर्ती स्थलों का भ्रमण कर सकेंगे।

भाजपा की प्रदेश टोली बैठक में विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर हुई चर्चा

देहरादून, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में शनिवार को हरिद्वार में प्रदेश टोली बैठक हुई। बैठक में चुनावी दृष्टि से कार्यकर्ताओं की संतुष्टि और संगठन विस्तार पर चर्चा हुई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने बताया कि बैठक में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर गृहमंत्री अमित शाह ने पार्टी कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया।बैठक में कार्यकर्ताओं की संतुष्टि और संगठन विस्तार पर जोर देने की बात कही गई। उन्होंने बताया कि संगठन विस्तार के क्रम में बूथ व मंडल स्तर पर प्रकोष्ठों एवं विभागों की इकाइयों का शीघ्र गठन किया जाएगा। इनके आधार पर पार्टी की सक्रियता को पहले से अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि धीरे धीरे चुनावी दृष्टि से पार्टी अपनी गतिविधियों को आगे बढ़ाएगी, ताकि बूथ स्तर पर कैसे सफलता के लक्ष्य को प्राप्त किया जाए। भट्ट ने बताया कि बैठक में तय हुआ कि सभी सांसद और विधायक 2027 के चुनाव की दृष्टि से कार्यकर्ताओं और जनता के बीच जाएंगे। उनके जनसामान्य के मुद्दों और व्यक्तिगत समस्याओं को सुनें और उसके निवारण का प्रयास करें।

राहुल गांधी बोले : मुफ्त सुविधाओं पर ईमानदारी जरूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि वह गरीबों तथा अमीरों को मिलने वाली मुफ्त सरकारी सुविधाओं के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इस बारे में विचार करते समय ईमानदारी बहुत जरूरी है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में रविवार को कहा कि गरीबों को दी जाने वाली सरकारी सुविधा का मजाक उड़ाया जाता है जबकि अमीर लोगों को दी जाने वाली सुविधा को सम्मान बताया जाता है।उन्होंने लिखा, ष्जब गरीबों को जीवनयापन के लिए सब्सिडी मिलती है, तो इसे श्रेवड़ीश और श्मुफ्त सुविधाएंश कहा जाता है। जब अडानी और अंबानी को कौड़ियों के भाव जमीन, कर छूट और करोड़ों के ऋण माफ किए जाते हैं, तो इसे विकास कहा जाता है। कांग्रेस नेता ने सुविधाओं के दोनों पक्षियों पर विचार करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा, ष्गरीबों को शर्मिंदा किया जाता है। शक्तिशाली लोगों का गुणगान किया जाता है। मैं मुफ्त सुविधाओं के बारे में बातचीत के लिए तैयार हूं, लेकिन आइए ईमानदारी से दोनों पक्षों पर विचार करें।ष श्री गांधी ने केरल में चुनावी माहौल के बीच अपनी सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) केरल के लोगों को पांच प्रमुख गारंटियों के माध्यम से एक मजबूत सुरक्षा कवच प्रदान करने जा रहा है। इनमें राज्य परिवहन निगम की बसों में सभी महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा। श्री ओमन चांडी के नाम पर एक योजना के तहत प्रत्येक परिवार को 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर देने तथा युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए पांच लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा।

पीएम मोदी की चुप्पी पर उठाए सवाल - संजय राउत

मुंबई, (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने रविवार को पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध को लेकर केंद्र सरकार पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इस संकट के बीच भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौजूदगी और भूमिका लगभग खत्म होती दिखाई दे रही है। राउत ने यह बात शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना के साप्ताहिक कॉलम 'रोकठोक' में लिखी। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में ईरान और इस्राइल के बीच बढ़े तनाव और अमेरिका की भूमिका के कारण स्थिति बेहद गंभीर हो गई है और भारत एक देश के तौर पर इस स्थिति में पूरी तरह से अपना वजूद खो चुका है। राउत के मुताबिक, इस पूरे संकट में भारत को आगे आकर युद्ध रोकने की कोशिश करनी चाहिए थी, क्योंकि यह एक बड़ा वैश्विक मुद्दा बन चुका है। लेकिन भारत की तरफ से इस मामले में कोई ठोस पहल नहीं दिखी। उन्होंने कहा कि दुनिया के सामने भारतीय नेतृत्व की कमजोरी भी उजागर हो रही है।

संपादकीय

न्यायिक उत्तर ढूंढना आलसी नजरिया

बदले राजनीतिक माहौल में अदालतें न्यायिक सक्रियता दिखाने में खुद को असमर्थ पा रही हैं, तो समाज का एक हिस्सा इसे दायित्व निर्वहन से मुंह मोड़ना मानेगा। बहरहाल, संदेश यही है कि राजनीतिक प्रश्नों का न्यायिक उत्तर ढूंढना आलसी नजरिया है। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्य कांत ने स्वीकार किया है कि कथित गौ–रक्षकों की अवैध गतिविधियों और भीड़ की हिंसा को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में जो श्सामान्य दिशा–निर्देशञ् जारी किए, उनकी निगरानी कोर्ट के लिए संभव नहीं रह गई है। तब सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों को दिशा–निर्देश दिए थे। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश जस्टिस दीपक मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा था कि नस्ल, जाति, वर्ग या धर्म का बिना ख्याल किए सभी नागरिकों की ऐसे अपराधों से रक्षा करना सरकार का दायित्व है। बेंच ने ऐसी घटनाओं को रोकने, पीड़ितों से इंसाफ और मुजरिमों को दंडित करने के लिए कई उपाय तय किए। सरकारों से कहा गया कि इन उपायों पर अमल कर वे सुप्रीम कोर्ट में अनुपालना रिपोर्ट पेश करें। जाहिर है, ऐसा नहीं हुआ। उच्चतम न्यायालय के दिशा–निर्देशों के बावजूद उस तरह की घटनाएं जारी रहीं। उनका ही जिक्र करते हुए पिछले साल सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल हुई, जिसमें संबंधित अधिकारियों पर अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की गुजारिश की गई। तभी कोर्ट ने कहा था कि विभिन्न स्थलों और विभिन्न राज्यों में हुई मॉब लिंचिंग एवं हिंसा की श्सूक्ष्म निगरानीञ् करना उसके लिए संभव नहीं है। यही बात जस्टिस सूर्य कांत दोहराई है। कहा है कि अदालत को ऐसे मामलों में श्सामान्य दिशा–निर्देशञ् देने के बजाय हर मामले पर अलग सुनवाई करनी चाहिए। इस तरह चीफ जस्टिस ने अदालती दायरे की पुनर्व्याख्या की है। संवैधानिक नजरिए से इसमें खोट नहीं निकाली जा सकती। मगर अतीत में खुद न्यायालयों ने स्वतरू संज्ञान के जरिए संवैधानिक भावना की रक्षा की भूमिका अपनाई थी। इसे श्न्यायिक सक्रियताञ् कहा गया। मगर बदले राजनीतिक माहौल में अदालतें इस भूमिका को अपनाए रखने में खुद को असमर्थ पा रही हैं, तो नागरिक समाज का एक हिस्सा इसे दायित्व निर्वहन से न्यायपालिका के मुंह मोड़ने के रूप में देखेगा। बहरहाल, उन समूहों के लिए संदेश यही है कि राजनीतिक प्रश्नों का न्यायिक उत्तर ढूंढना आसान एवं आलसी नजरिया है। वैसे समाधान असल में सार्वजनिक जीवन की धूल–धक्कड़ में उतर कर ही खोजे जा सकेंगे।

स्वास्थ्य, विरासत और आजीविका का संरक्षण

बिंदु

डब्ल्यूडब्ल्यूडी को सीआईटीईएस (वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर समझौते) को स्वीकार करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। डब्ल्यूडब्ल्यूडी 2026 का विषय औषधीय और सुगंधित पौधेरू स्वास्थ्य, विरासत और आजीविका का संरक्षण है, जो स्वास्थ्य और आजीविका के लिए पादप संबंधी संसाधनों के महत्व पर प्रकाश डालता है। लगभग 15,000 औषधीय पौधों की प्रजातियों के साथ भारत जैव विविधता से समृद्ध 17 विशाल देशों में से एक है। इनमें से 8,000 का उपयोग भारतीय औषधियों में किया जाता है जिससे यह औषधीय और सुगंधित पौधों के लिए दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण केंद्रों में से एक बन गया है। राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, नई दिल्ली की ओर से संरक्षित 9,361 औषधीय और सुगंधित पौधों के साथ भारत प्राकृतिक पर्यावास और उससे बाहर विभिन्न प्रजातियों के संरक्षण के प्रयासों के माध्यम से सक्रिय रूप से औषधीय और सुगंधित पौधों को नष्ट होने से बचाने में लगा हुआ है। विश्व में प्रति वर्ष 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से वन्य जीवों और वनस्पतियों के सम्मान और लोगों तथा पृथ्वी के लिए उनके महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए घोषित यह दिन वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर समझौते (सीआईटीईस) को स्वीकार करने का प्रतीक है जो यह सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक प्रतिबद्धता को मजबूत करता है कि वन्यजीवों से संबंधित व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा नहीं है। यह दिवस इस बात को रेखांकित करता है कि वन्यजीव न केवल प्रकृति की सुंदरता का हिस्सा हैं बल्कि खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, आजीविका, जलवायु परिवर्तन से निपटने की सामर्थ्य और सतत विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। ऐसे समय में जब जैव विविधता को वन्यजीवों के निवास स्थान के विनाश, अत्यधिक शोषण, अवैध व्यापार और जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है तब विश्व वन्यजीव दिवस वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए जैविक संसाधनों के संरक्षण और स्थायी रूप से उपयोग करने के लिए एक वैश्विक आह्वान है। विश्व वन्यजीव दिवस 2026 का विषय – औषधीय और सुगंधित पौधेरू स्वास्थ्य, विरासत और आजीविका का संरक्षण – दवाइयों के लिए उपयोग में लाए जाने वाले पौधों के महत्व, सांस्कृतिक परंपराओं को बचाने में उनकी भूमिका और स्थानीय समुदायों को उनसे होने वाली आय पर बल देता है। संपूर्ण विश्व में विकासशील के 70–95 प्रतिशत लोग आधारभूत स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पारंपरिक औषधियों पर निर्भर करते हैं जिसमें से अधिकतर पौधों से मिलने वाले संसाधनों से प्राप्त होती हैं। औषधीय और सुगंधित पौधे पारंपरिक औषधीय प्रणाली की नींव हैं और आधुनिक दवा निर्माण उद्योग में भी अहम योगदान देते हैं। स्वास्थ्य के लिए उपयोग के अतिरिक्त ये पौधे परागण के लिए कीट और पक्षियों की सहायता करके, मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर और जैव विविधता को बढ़ाकर पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करते हैं। इसलिए उनका संरक्षण विशेष रूप से भारत जैसे से भरपूर देशों के लिए वैश्विक प्राथमिकता का विषय है। भारत में औषधीय और सुगंधित पौधों की समृद्ध जैव विविधता वन्यजीव दिवस 2026 का विषय भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। भारत जैव विविधता से समृद्ध विश्व के 17 विशाल देशों में से एक है और विश्व की जैव–विविधता का 7 प्रतिशत भाग इसी देश में है। यहां 15 कृषि–जलवायु क्षेत्र, 45,000 विभिन्न पौधों की प्रजातियां हैं जिनमें से 15,000 औषधीय पौधे हैं। इनमें से लगभग 8,000 प्रजातियों का उपयोग भारतीय चिकित्सा प्रणालियों और लोक चिकित्सा प्रणालियों में किया जाता है। भारत के लगभग 70 प्रतिशत औषधीय और सुगंधित पौधे (एमएपी) पश्चिमी और पूर्वी घाट, हिमालय और अरावली क्षेत्र के उष्णकटिबंधीय जंगलों में पाए जाते हैं। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण ने 5,250 से अधिक पौधों की प्रजातियों की पहचान की है और विभिन्न रोगों के संबंध में उपयोग के लिए 9,567 से अधिक लोक दावों का प्रलेखण किया है। भारत इस समृद्ध विरासत की रक्षा के लिए कड़े कदम उठा रहा है। राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) की ओर से औषधीय पौधों के संरक्षण और सतत प्रबंधन के लिए समर्पित योजना चलाई जा रही है। इसके अंतर्गत किसानों को प्रशिक्षण, अनुसंधान और विपणन में सहायता प्रदान की जाती है। ये प्रयास औषधीय पौधों की अपनी समृद्ध विरासत की सुरक्षा के लिए भारत की मजबूत और अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

नारी शक्ति का नया युग और वास्तविक चुनौतियां

ललित

मानव सभ्यता के विकास की कथा में यदि किसी शक्ति ने सबसे अधिक सृजन किया है, तो वह नारी शक्ति है। वह जीवन की जननी है, संस्कृति की वाहक है और समाज की संवेदनशील आत्मा है। भारतीय परंपरा ने नारी को केवल एक सामाजिक भूमिका तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे 'माता' के रूप में सर्वोच्च आदर दिया। 'मातृदेवो भवः' की वाणी से लेकर 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' की घोषणा तक हमारी संस्कृति में नारी के प्रति श्रद्धा का अद्वितीय भाव दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत में धरती, गौ और मातृभूमि तक को 'माता' कहकर संबोधित किया गया। किन्तु विडम्बना यह है कि जिस समाज ने नारी को देवी का दर्जा दिया, उसी समाज में आज भी नारी असुरक्षा, भेदभाव और हिंसा का सामना कर रही है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 हमें केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह अवसर देता है कि हम नारी की वास्तविक स्थिति का गंभीर आत्ममंथन करें। विश्व स्तर पर किए गए अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि नारी की स्थिति में प्रगति अवश्य हुई है, किन्तु समानता, सुरक्षा एवं स्वतंत्रता की यात्रा अभी लंबी है। विश्व आर्थिक मंच की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 के अनुसार विश्व में लैंगिक समानता का लगभग 68.8 प्रतिशत अंतर ही समाप्त हो पाया है, अर्थात् अभी भी लगभग एक तिहाई अंतर शेष है। आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में यह अंतर सबसे अधिक है, जहाँ समानता केवल लगभग 61 प्रतिशत तक ही पहुँची है। वर्ल्ड इकनोमिक फोरम कि स्थिति बताती है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाएँ लगभग बराबरी के स्तर तक पहुँच गई हैं, परंतु आर्थिक अवसरों और राजनीतिक नेतृत्व में अभी भी उनकी भागीदारी सीमित है। वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कुल कार्यबल का लगभग 42 प्रतिशत ही हैं और शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी हिस्सेदारी लगभग एक–तिहाई के आसपास है। भारत में भी स्थिति मिश्रित है। एक ओर भारतीय महिलाएँ अंतरिक्ष, विज्ञान, सेना, राजनीति और प्रशासन में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर श्रम बाजार में उनकी भागीदारी अभी भी कम है। हाल के आँकड़ों के अनुसार भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 32 प्रतिशत है और बड़ी संख्या में महिलाएँ घरेलू दायित्वों के कारण रोजगार से बाहर रहती हैं। बिजनेस स्टैंडर्ड के यह आँकड़े केवल संख्या नहीं हैं, यह समाज की संरचना, सोच और अवसरों की असमानता को उजागर करते हैं। आज दुनिया के अनेक देशों में महिलाएँ राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, वैज्ञानिक, सैन्य अधिकारी और उद्योगपति के रूप में नेतृत्व कर रही हैं। भारत में भी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, वैज्ञानिक और फाइटर पायलट के रूप में महिलाओं की उपस्थिति इस परिवर्तन का प्रमाण बनी है और बन रही है। किंतु इसके साथ यह भी सत्य है कि दुनिया में अभी भी केवल सीमित देशों में ही महिलाएँ सर्वोच्च राजनीतिक पदों पर हैं और समान वेतन का प्रश्न अभी भी अधूरा है। कई अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार महिलाओं को समान कार्य के लिए पुरुषों की तुलना में औसतन कम वेतन मिलता है। एक और चिंताजनक तथ्य यह है कि संघर्ष, युद्ध और संकट की स्थितियों का सबसे अधिक दुष्प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है। हाल के वैश्विक अध्ययनों के अनुसार 2024 में लगभग 67 करोड़ महिलाएँ ऐसे क्षेत्रों में रह रही थीं जो किसी न किसी प्रकार के हिंसक संघर्ष से प्रभावित थे। नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती हैं। इतिहास के पन्ने यह भी बताते हैं कि जब–जब समाज संकट में पड़ा, तब–तब नारी शक्ति ने असाधारण साहस का परिचय दिया। स्वतंत्रता संग्राम में रानी चेनम्मा, बेगम हजरत महल, रानी अवन्तीबाई, सरोजिनी नायडू और दुर्गा भाभी जैसी वीरांगनाओं ने यह सिद्ध किया कि नारी केवल करुणा की

प्रतिमा नहीं, बल्कि संघर्ष और साहस की भी प्रतीक है। लेकिन इतिहास के इन गौरवपूर्ण अध्यायों के बावजूद सामाजिक वास्तविकता कई बार पीड़ादायक दिखाई देती है। दहेज, भ्रूण हत्या, घरेलू हिंसा, मानव तस्करी और यौन अपराध आज भी दुनिया के अनेक समाजों में मौजूद हैं। यह केवल कानून का नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता का प्रश्न है। दरअसल नारी समस्या का मूल कारण केवल बाहरी संरचनाएँ नहीं हैं, बल्कि वह सोच है जिसने सदियों तक नारी को 'कमजोर' मानकर उसकी क्षमता को सीमित करने का प्रयास किया। जब समाज नारी को केवल भूमिका से जोड़ता है, व्यक्ति के रूप में नहीं देखता, तभी असमानता जन्म लेती है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 का वैश्विक संदेश भी इसी दिशा में संकेत करता है– ''सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, न्याय और वास्तविक कार्रवाई।'' यह संदेश हमें याद दिलाता है कि आज भी दुनिया में महिलाओं को पुरुषों के समान कानूनी अधिकार पूरी तरह प्राप्त नहीं हैं और औसतन उन्हें पुरुषों के मुकाबले लगभग 64 प्रतिशत ही कानूनी अधिकार प्राप्त हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ कि यह स्थिति हमें सोचने के लिए बाध्य करती है कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन कानूनों को सामाजिक चेतना में बदलना भी आवश्यक है। नारी सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ केवल अधिकार देना नहीं है, बल्कि अवसर, सम्मान और निर्णय लेने की स्वतंत्रता देना है। शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल साक्षरता, आर्थिक स्वावलंबन और राजनीतिक भागीदारी, ये पाँच स्तंभ नारी सशक्तिकरण की वास्तविक नींव हैं। परंतु इस परिवर्तन की शुरुआत घर से ही होगी। यदि परिवार में बेटी और बेटे को समान अवसर मिलते हैं, यदि शिक्षा में भेदभाव समाप्त होता है, यदि विवाह और दहेज जैसी कुप्रथाओं को समाज स्वयं अस्वीकार करता है, तभी नारी की वास्तविक मुक्ति संभव है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। चाहे उज्ज्वला योजना के द्वारा उन्हें गैस सिलिंडर दिलाना हो, गावों में घरों और शौचालय का निर्माण हो या नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पास कराना। आज दुनिया के सभी देश इस बात को मान रहे है की मोदी के नेतृत्व में भारत की महिलाएं बहुत आगे बढ़ रही है। खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं। बात भारतीय या अभारतीय नारी की नहीं, बल्कि उसके प्रति दृष्टिकोण की है। आवश्यकता इस दृष्टिकोण को बदलने की है, जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है। इस दिवस की सार्थकता तभी है जब महिलाओं को विकास में सहभागी ही न बनाये बल्कि उनके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने की वीभत्सताओं एवं त्रासदियों पर विराम लगे, ऐसा वातावरण बनाये। नारी को भी अपने भीतर की शक्ति को पहचानना होगा।

किस मजूबरी ने मोदी को ट्रंप–नेतन्याहू का पिछलग्गू बनाया

अनिल

भारत और ईरान के बीच बहुत घनिष्ठ व्यापारिक, रणनीतिक और सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। भारत अपनी जरूरत का 15 फीसदी तेल ईरान से आयात करता था, वह भी बेहद वाजिब दाम पर लेकिन अमेरिका के दबाव में भारत को तेल का आयात बंद करना पड़ा। भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण चाबहार पोर्ट का मामला भी ताजा ही है। भारत की आजादी के आठ दशक में यह पहला मौका है जब उसके एक बेहद भरोसेमंद और मददगार मित्र देश पर दुनिया के दो शक्तिशाली देशों ने अपने निहित स्वार्थों के चलते हमला कर दिया है। इसमें उसके सर्वोच्च नेता की मौत हो गई है और भारत सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। उसने न तो हमले की निंदा की है और न ही मित्र देश के सर्वोच्च नेता की मौत पर शोक जताने का राजनयिक शिष्टाचार निभाया है। यह स्थिति तब है जब भारत में एक ऐसी पार्टी की सरकार है जो अपने को भारतीय संस्कृति और परंपरा की एकमात्र वाहक और भारत को विश्वगुरू मानती है। भारतीय संस्कृति और परंपरा हमें सिखाती है कि हम किसी के सुख में भले ही शरीक न हों लेकिन दुख या संकट की घड़ी में जरूर उसके साथ खड़े होना चाहिए। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के निर्मम हमले और उसमें ईरान के वयोवृद्ध सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह खामेनेई के मारे जाने पर भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी बेहद शर्मनाक है। इस चुप्पी से मोदी देश में इस्लामोफोबिया से ग्रस्त अपने समर्थक वर्ग की निगाहों में भले ही और ऊंचे चढ़ जाएं, लेकिन उनका यह रवैया दुनिया भर में भारत को शर्मसार कराने वाला है। यह भी कम शर्मनाक नहीं है कि ईरान पर हमले से दो दिन पहले ही मोदी ने इजराइल की यात्रा की। इजराइल ने मोदी को ऐसे समय में अपने यहां आमंत्रित किया जब वह अमेरिका के साथ मिलकर ईरान पर हमले की योजना बना चुका था।कहने को तो इजराइल ने मोदी को श्स्पीकर ऑफ द कनेसेट मेडलश स्वीकार करने के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन हकीकत यह है कि इजराइल के प्रधानमंत्री बिन्यामीन नेतन्याहू ने मोदी की यात्रा का इस्तेमाल हमले की तैयारी पर पर्दा डालने के लिए किया। उन्हें सर्वोच्च संसदीय सम्मान देना तो महज एक बहाना था। दिलचस्प बात यह भी है कि यह सम्मान मोदी से पहले किसी को भी नहीं दिया गया। इसे वैसा ही सम्मान कहा जा सकता है जैसे 2019 में मोदी को किसी ने श्फिलिप कोटलर प्रेसिडेंशल अवॉर्डश दिया था, जिस पर मोदी की जगहंसाई हुई थी। वह अवॉर्ड भी न तो मोदी से पहले किसी को दिया गया था और न ही उनके बाद किसी को दिया गया।बहरहाल ईरान पर हमले की तैयारी के बीच मोदी की इस यात्रा से साबित हुआ कि भारतीय विदेश नीति पूरी तरह दिशाहीन हो चुकी है। मोदी और उनकी सरकार राष्ट्रीय हितों को लेकर पूरी तरह बेखबर और बेसुध है और भारतीय खुफिया तंत्र पूरी तरह नाकारा। पिछले 12 वर्षों के दौरान मोदी ने विदेशी राष्ट्राध्यक्षों से गले मिलने, उनसे लिपटने और उनके साथ बात–बेबात ठहाके लगाने को ही सफल कूटनीति माना है। इस इजराइल यात्रा के दौरान भी उन्होंने यही किया। वे इजराइल पहुंचने पर भी मेजबान नेतन्याहू से गले मिले और वहां से लौटते वक्त तो वे नेतन्याहू से लिपटकर इस तरह सिसक रहे थे जैसे बेटी ससुराल जाने से पहले अपने पिता से लिपट कर रोती है। रही बात खुफिया तंत्र की, तो उसका नाकारापन पुलवामा, पठानकोट, पहलगाम आदि में हुए भीषण आतंकवादी हमलों के अलावा भी कई मामलों में जाहिर हो चुका है।लोकतांत्रिक देशों में सरकारें बदलती रहती हैं। जो नई सरकारें आती हैं, वे अपने हिसाब से बहुत कुछ बदलाव करती हैं लेकिन देश की विदेश नीति की निरंतरता कमोबेश बनी रहती हैं। हालांकि कोई भी देश तात्कालिक परिस्थितियों के हिसाब से जरूरी होने पर अपनी विदेश नीति में बदलाव भी करता है। वह अपने राष्ट्रीय हितों के हिसाब से नए अंतरराष्ट्रीय दोस्त बनाता है और किसी पुराने मित्र देश से धीरे–धीरे किनारा भी कर लेता है। मगर अपने हितों को गहरे तक प्रभावित करने वाले किसी अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम से बेखबर नहीं रह सकता, खास कर भारत जैसा देशय और वह भी ईरान जैसे भरोसेमंद दोस्त को लेकर। ईरान कोई सुदूरवर्ती छोटा–मोटा देश नहीं है। वह भौगोलिक रूप से तो नहीं, फिर भी एक तरह से भारत का पड़ोसी है। उससे भारत के रिश्ते भी कोई बीस–पच्चीस साल नहीं, बल्कि सदियों पुराने रहे हैं। खुद मोदी ने 2016 में अपनी ईरान यात्रा के दौरान अयातुल्लाह खामेनेई को करीब 1300 साल पुरानी यानी सातवीं सदी में कुफिक लिपि में लिखी हुई कुरआन शरीफ की दुर्लभ पांडुलिपि उपहार के तौर पर भेंट की थी और कहा था कि, श्ईरान से भारत के रिश्ते उतने ही पुराने हैं, जितना पुराना दुनिया का इतिहास है।श यही नहीं, दो साल पहले ईरान के राष्ट्रपति की मौत पर भारत सरकार ने राजकीय शोक भी घोषित किया था। भारत और ईरान के बीच बहुत घनिष्ठ व्यापारिक, रणनीतिक और सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। भारत अपनी जरूरत का 15 फीसदी तेल ईरान से आयात करता था, वह भी बेहद वाजिब दाम पर

लेकिन अमेरिका के दबाव में भारत को तेल का आयात बंद करना पड़ा। भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण चाबहार पोर्ट का मामला भी ताजा ही है। वही चाबहार पोर्ट जिसके लिए ईरान से समझौता होने को प्रधानमंत्री मोदी ने 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान अपने एक भक्त टीवी चौनल के कीर्तनकारों के सामने बैठ कर डींग हांकते हुए अपना श्कूटनीतिक कौशलश बताया था। उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार कोई भी फैसला इस आधार पर नहीं लेती कि कोई तीसरा देश क्या सोचेगा। भारत उस परियोजना पर लगभग 12 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च कर चुका था लेकिन दो महीने पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के धमकी भरे दबाव में उस महत्वाकांक्षी परियोजना से भारत को अलग होना पड़ा। ईरान ने कई महत्वपूर्ण और नाजुक मौकों पर दुनिया के शक्तिशाली देशों के विरोध को दरकिनार करते हुए भी भारत की मदद की है, जिसके किस्से इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं। ऐसे किस्सों में उल्लेखनीय किस्सा 1990 के दशक के शुरुआती सालों का है जब कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच हालात बेहद तनावपूर्ण थे। पाकिस्तान ने इस मसले पर मुस्लिम देशों के संगठन इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) में भारत के खिलाफ प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित कराने के लिए अभियान छेड़ रखा था। हुर्रियत कांफ्रेन्स के कुछ नेताओं ने नई दिल्ली में ईरानी राजदूत से भी मुलाकात कर समर्थन मांगा था।

आखिर ईरान पर हमलों की वजह क्या है

वाप्पला बालाचंद्रन

ट्रम्प ने 3 मार्च को कहा कि ईरान युद्ध के लिए उनका मकसद है– ईरान की मिसाइल क्षमताओं को खत्म करना, उसकी नेवी को खत्म करना, उसके न्यूक्लियर इरादों को खत्म करना तथा आतंकवादियों को हथियार देने से रोकना और इसके साथ ही ईरान में सरकार बदलने के लिए मजबूर करना। क्या ये मकसद पूरे हो सकते हैं? ईरान के खिलाफ जारी मौजूदा अमेरिकी–इजराइल युद्ध के बारे में कई ऐसे सवाल हैं जिनके जवाब अभी भी साफ नहीं हैं। क्या यह उस तरह का है जैसा कि अर्थशास्त्री और पब्लिक पॉलिसी एनालिस्ट जेफरी साक्स कहते हैं कि यह युद्ध अमेरिका की श्अपनी ग्लोबल बादशाहत को जारी रखने या बनाए रखनेश की कोशिश है? साक्स ईरान पर हमले को श्मिडिल ईस्ट पर नियंत्रण और मिडिल ईस्ट के तेल पर कंट्रोल के लिए युद्धश बताते हैं। क्या इससे यह पता चलता है कि प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प ने 28 फरवरी को मार–ए–लागो से अचानक अपनी पॉलिसी क्यों बढ़ा दी जबकि जिनेवा में उनके स्पेशल रिप्रेजेंटेटिव स्टीव विटकॉफ तथा जेरेड कुशनर और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची की टीम के बीच तीन राउंड की बातचीत पहले ही हो चुकी थी? उसी समय उन्होंने ईरान के चारों ओर सबसे बड़ा अमेरिकी लड़ाकू जहाजी बेड़ा इकट्ठा करना जारी रखा?अमरेकी–इजराइल के संयुक्त श्ऑपरेशन एपिक फ्यूरीश को शुरू करने के लिए 28 फरवरी का दिन ही क्यों चुना गया? काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस में मिडिल ईस्टर्न स्टडीज के सीनियर फेलो इलियट अब्राम्स की एक रिपोर्ट थी कि ईरान पर हमला करने का ट्रम्प व नेतन्याहू का फैसला संभवतरू 11 फरवरी को इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के वाशिंगटन दौरे के दौरान लिया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दो दिन पहले के इजरायल दौरे से इस हमले की कड़ी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। भारत में इजरायली राजदूत रियूवेन अजार के अनुसार, मोदी के 25–26 फरवरी को इजरायल यात्रा के बाद हुए ऑपरेशन का उनके दौरे से कोई लेना–देना नहीं था। उन्होंने इसे एक श्ऑपरेशनल मौकाश बताया जो मोदी के इजरायल छोड़ने और 28 फरवरी की सुबह इजरायल की सिक्योरिटी कैबिनेट से फाइनल मंजूरी मिलने के बाद मिला।यह श्ऑपरेशनल मौकाश उस बातचीत और मीडिएशन के बिल्कुल उलट है जो चर्चा चल रही थी। न्यूयॉर्क के थिंक टैंक सीएफआर ने 26 फरवरी को अपने डेली न्यूज ब्रीफ में ओमान के मीडिएटर के हवाले से कहा था कि विटकॉफ–अराघची बातचीत के दौरान ईरान और अमेरिका दोनों ही श्नए और क्रिएटिव आइडिया और सॉल्यूशन के लिए बहुत ज्यादा खुलापनश दिखा रहे थे और ट्रम्प व अराघची दोनों ने कहा कि श्एक बेहतर डील हैश। क्या यह बात ओमान ने लीक की थी जो उस युद्ध को रोकने के लिए थी जिसे वह नहीं चाहता था? ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि ज्यादातर अमेरिकी सहयोगी– सऊदी अरब, कुवैत, कतर, अमीरात और बहरीन जो अब ईरान के निशाने पर हैं, ने ईरान से होने वाले खतरों पर अपना अनुमान बदल दिया था। लंदन के इंटरनेशनल अफेघ्यर्स थिंक टैंक चौथम हाउस ने 19 फरवरी को अपने अनुमान में कहा कि मिडिल ईस्ट की कतर, तुर्की, सऊदी अरब और मिस्र जैसी सरकारों ने अपना रुख बदल लिया है। ये सरकारें जो कभी अमेरिका से ईरान और एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस से निपटने की अपील कर रही थीं, अब बातचीत की वकालत कर रही थीं क्योंकि उनका मानना था कि श्अब सबसे बड़ा खतरा विस्तारवादी और आक्रामक इजराइल और एक संभावित रूप से ढह चुके ईरानी राज्य की अराजकता है। उन्हें यह भी चिंता थी कि अमेरिका ने ईरान में ऐसा कोई कदम उठाया जैसा उसने इराक में उठाया था, तो यह इस्लामिक स्टेट को जन्म देगा जो इराक के टूटने के बाद श्नो–मैन्स लैंडश में उभरा था। अंतिम पहेली यह है कि, जब प्रेसिडेंट ट्रम्प और इजराइली प्राइम मिनिस्टर बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ–साफ कहा था कि ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को टारगेट किया जाएगा तो वे सुरक्षित बंकर में क्यों नहीं चले गए? 28 फरवरी को ट्रम्प–नेतन्याहू का श्ऑपरेशन एपिक फ्यूरीश शुरू करने का संयुक्त फैसला 12 फरवरी को इजराइली प्राइम मिनिस्टर के दौरे के बाद व्हाइट हाउस की उस घोषणा से बिल्कुल मेल नहीं खाता जिसमें कहा गया था कि श्अमेरिका और इजराइल के बीच इस बात पर कोई श्पक्काश समझौता नहीं हुआ है कि ईरान के साथ आगे कैसे बढ़ना है, लेकिन राष्ट्रपति ट्रम्प ने श्जोर दिया था कि तेहरान के साथ बातचीत जारी रहेगी ताकि यह देखा जा सके कि क्या कोई डील हो सकती हैश। ट्रम्प ने 24 फरवरी को स्टेट ऑफ द यूनियन के अपने संबोधन में भी इस संभावना का कोई संकेत नहीं दिया था। कार्नेगी एंडोमेंट के आकलन के अनुसार ट्रम्प ने ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के अपने दृढ़ संकल्प का उल्लेख किया और कहा कि उन्होंने अपने भाषण से श्क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सैन्य ठिकानों के निर्माण के बारे में धमकी भरी भाषा को हटा दियाश। इस फैसले को क्यों बदला गया? इसका एकमात्र सुराग संभवतरू बीबीसी की मार–ए–लागो बयान की उस व्याख्या में मिलता है कि ट्रम्प और नेतन्याहू ने श्ईरानी नेतृत्व को वर्षों से घरेलू स्तर पर अपने सबसे कमजोर बिंदु के रूप में देखा क्योंकि गाजा युद्ध के बाद क्षेत्र में उसके सहयोगी मिलिशिया का सफाया हो गया थाश। क्या ट्रम्प की सोच थी कि यह वेनेजुएला–मादुरो ऑपरेशन जितना आसान होगा? या यह निर्णय केवल नेतन्याहू को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया था? ट्रम्प ने 3 मार्च को कहा कि ईरान युद्ध के लिए उनका मकसद है– ईरान की मिसाइल क्षमताओं को खत्म करना, उसकी नेवी को खत्म करना, उसके न्यूक्लियर इरादों को खत्म करना तथा आतंकवादियों को हथियार देने से रोकना और इसके साथ ही ईरान में सरकार बदलने के लिए मजबूर करना। क्या ये मकसद पूरे हो सकते हैं? 28 फरवरी को ही अपने एक सर्वे में सीआरएफ ने पाया कि युद्ध के बाद ईरान के बहुत कमजोर होने के बाद भी अमेरिका और इजराइल के लिए थियोक्रेटिक शासन को गिराना लगभग नामुमकिन है। इसका कारण इस्लामिक रिपब्लिक का स्ट्रक्चर है जो श्एक आइडियोलॉजिकल सिस्टम है जिसमें कई स्तर वाले कुलीन और सपोर्ट का बेस हैश। यह श्वन–मैन शोश नहीं है। हालांकि सभी फैसले ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के नाम पर लिए गए थे लेकिन वली नजर जैसे एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरानी थियोक्रेसी और डिफेंस एस्टैब्लिशमेंट श्मल्टी–नोडलश हैं जहां अलग–अलग स्तर पर फैसले लिए जाते हैं। वे एक मुश्किल फैसले लेने की प्रक्रिया की बात करते हैं जिसमें एक्सपर्ट्स की असेंबली शामिल है जो सक्सेशन तय करती है और सुप्रीम लीडर, रिवोल्यूशनरी गार्ड्स और क्लेरिकल काउंसिल्स को सलाह देती है। शायद इसीलिए 3 जनवरी 2020 को अमेरिका द्वारा ड्रोन से कासिम सुलेमानी को मारने के बाद भी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की कुद्स फोर्स की तेजी कम नहीं हुई। सुलेमानी कुद्स फोर्स का सबसे करिश्माई और सबसे डरावना चेहरा था जो आईआरजीसी की एक खास यूनिट है जो अनकन्वेंशनल लड़ाई और एक्स्ट्राटेरिटोरियल ऑपरेशन पर फोकस करती है। पिछले कुछ सालों की मुश्किलों के दौरान डीसेंट्रलाइजेशन का सिस्टम भले ही कम हो गया हो लेकिन श्यह अभी भी सरकार को एक ऐसा कैडर देता है ।

मेडिकल कॉलेज जौनपुर में मरीजों की भारी भीड़ के बावजूद व्यवस्थित उपचार व्यवस्था

संवाददाता प्रवीण अस्थाना

जौनपुर। होली के बाद से उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। प्रतिदिन ओपीडी में हजारों मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। दूर–दराज के गांवों और कस्बों से आने वाले मरीजों की लंबी कतारें यह दर्शाती हैं कि जिले की बड़ी आबादी अपनी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मेडिकल कॉलेज पर भरोसा कर रही है। यहां आने वाले हर मरीज को व्यवस्थित और लाइनबद्ध तरीके से चिकित्सकों द्वारा समुचित उपचार एवं आवश्यक परामर्श प्रदान किया जा रहा है। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. आर.बी. कमल ने स्वयं ओपीडी और इमरजेंसी वार्ड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को भी सुना और व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। अधिकांश व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित पाई गईं, वहीं कुछ छोटी–मोटी कमियों को लेकर संबंधित कर्मचारियों को फटकार लगाते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। प्रधानाचार्य ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मरीजों की सेवा ही मेडिकल कॉलेज की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही या मरीजों के साथ असुविधा को कॉलेज प्रशासन कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने सभी चिकित्सकों और कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण के साथ करें, ताकि यहां आने वाला हर मरीज खुद को सुरक्षित और सम्मानित महसूस कर सके। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में प्रतिदिन बड़ी संख्या में गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोग इलाज की उम्मीद लेकर आते हैं। ऐसे में प्रत्येक चिकित्सक और कर्मचारी का दायित्व है कि वे उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा के साथ–साथ सहानुभूति और सहयोग भी प्रदान करें। प्रधानाचार्य ने यह भी बताया कि मेडिकल कॉलेज में ओपीडी और इमरजेंसी सेवाएं पूरी तरह सक्रिय हैं और हर प्रकार के मरीजों का इलाज किया जा रहा है। इसके साथ ही जल्द ही यहां ऑपरेशन थिएटर (ओटी) की व्यवस्था भी शुरू होने जा रही है, जिससे जिले की जनता को और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। इसके लिए चिकित्सक और कर्मचारी लगातार प्रयासरत हैं, ताकि जल्द से जल्द अत्याधुनिक ओटी सेवाएं आम जनता के लिए उपलब्ध कराई जा सकें।

जनगणना के लिए कर्मियो को किया जायेगा प्रशिक्षित - डीएम

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।डीएम धप्रमुख जनगणना अधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि जनगणना–2027 के प्रथम चरण, मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य (मई–जून 2026) द्वितीय चरण जनसंख्या गणना (फरवरी 2027) में की जायेगी।और राष्ट्रीय महत्व के इस समयबद्ध कार्य के सफल संचालन के लिए जनगणना कार्य में लगाये जाने वाले राज्य सरकार के पदाधिकारियों के लिए गुणवत्ता प्रशिक्षण प्रदान किया जाना अत्यन्त महत्वपूर्ण है। समस्त कार्य को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराये जाने,चार्ज स्तर पर आवंटित फील्ड ट्रेनर्स की नियुक्ति चार्ज स्तर पर की जाती है।नियुक्त फील्ड ट्रेनर्स द्वारा जनपद हेतु पूर्व से नियुक्त मास्टर ट्रेनर्स से प्रशिक्षण प्राप्त कर सम्बन्धित चार्ज के प्रगणकध सुपरवाईजर को प्रशिक्षित किया जायेगा।नियुक्त फील्ड ट्रेनरों को जनपद मुख्यालय स्तर पर 03 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित कराये जाने हेतु रेजिडेंट मजिस्ट्रेट अयोध्या (9628365450) अरविन्द कुमार को प्रशिक्षण स्थल का नोडल अधिकारी नामित किया जाता है।नामित नोडल अधिकारी द्वारा अपनी उपस्थिति में 03 दिवसीय फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण 23,24 व 25 मार्च को 10 बजे पूर्वाह्न से 05 बजे अपराह्न तक स्थान क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान, डाभासेमर, अयोध्या) समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराकर सूचना एडीएम (वि0ध्रा0)धजिला जनगणना अधिकारी, अयोध्या को उपलब्ध कराया जायेगा।फील्ड ट्रेनर्स हेतु जनपद में अधिकारियों को नामित किया गया है,जिसमें फैजाबाद (सदर) के ग्रामीण क्षेत्र में 10 चार्ज स्तर पर आवंटित फील्ड ट्रेनर्स को नामित किया गया है।इसी तरह नगर निगम के शहरी क्षेत्र में जोन–1 में 05, जोन–2 में 05 व जोन–3 में 05 फील्ड ट्रेनर्स को लगाया गया है। नगर पंचायत (सी0बी0) शहरी में 02, नगर पंचायत गोसाईगंज ग्रामीण में 02, बीकापुर ग्रामीण में 12, नगर पंचायत बीकापुर शहरी में 02, मिल्कीपुर में ग्रामीण में 14, नगर पंचायत कुमारगंज शहरी में 02, सोहावल ग्रामीण में 10, नगर पंचायत भरतकुंड भदरसा शहरी में 02, नगर पंचायत खिरौनी (सुचिता गंज) शहरी में 02, रूदौली ग्रामीण में 12, नगर पालिका परिषद रूदौली शहरी में 03 व नगर पंचायत मां कामाख्या शहरी में 02 चार्ज स्तर पर फील्ड ट्रेनर्स हेतु अधिकारियों को नामित किया गया है।

गृहकर वसूली तेज करने की तैयारी खुलेंगे नगर निगम के जोनल कार्यालय

लखनऊ, (संवाददाता)। वित्तीय वर्ष 2025–26 समाप्त होने में अब केवल 24 दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में नगर निगम प्रशासन ने गृहकर (हाउस टैक्स) की वसूली तेज करने के लिए सभी जोनल अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष निर्देश जारी किए हैं। नगर निगम का लक्ष्य है कि वित्तीय वर्ष खत्म होने से पहले अधिक से अधिक बकाया गृहकर की वसूली कर राजस्व में वृद्धि की जाए और निर्धारित लक्ष्य को हासिल किया जा सके।नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए ।

घरेलू गैस व कमर्शियल सिलेंडर के दामों में वृद्धि कर मोदी सरकार ने देशवासियो को दिया तोहफा – विनय पटेल

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। आम आदमी पार्टी के अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता को महंगाई का नया तोहफा दिया है।उन्होंने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में ध्60 और कमर्शियल सिलेंडर के दाम में ध्120 की बढ़ोतरी कर दी गई है। जिससे देश की आम जनता पर सीधा आर्थिक बोझ पड़ा है। विनय पटेल ने कहा कि यह महंगाई किसी वैश्विक परिस्थिति की वजह से नहीं बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गलत और कमजोर नीतियों का परिणाम है, जिन्होंने जानबूझकर देश को महंगाई की आग में झोंकने का काम किया है। ये बातें विनय पटेल ने प्रेस क्लब अयोध्या में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के दरम्यान कही।प्रदेश प्रवक्ता एवम अयोध्या जिला प्रभारी संजीव निगम ने कहा कि ईरान भारत का परंपरागत मित्र रहा है जिसने हमेशा भारत को सस्ती दरों पर तेल उपलब्ध कराया।उन्होंने कहा कि अमेरिका ने भारत के परमाणु परीक्षण के बाद भी आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे, 1971 के युद्ध के दौरान भी भारत का विरोध किया था और 1965 के युद्ध में भी पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई के समय भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे।इसके बावजूद देश के नेतृत्व ने राष्ट्रीय स्वाभिमान से समझौता नहीं किया।इस मौके पर अयोध्या जिलाध्यक्ष एडवोकेट अनिल प्रजापति ने कहा कि यह देश 190 साल तक अंग्रेजों का गुलाम रहा और हमारे क्रांतिकारियों के बलिदान की बदौलत देश को आजादी मिली, लेकिन आज प्रधानमंत्री मोदी ने उस आजादी और स्वाभिमान को अमेरिका के हाथों गिरवी रख दिया है। कहा कि मोदी सरकार उस अमेरिका के साथ खड़ी दिखाई देती है जिसके खिलाफ खुद अमेरिका के लोग भी सड़कों पर उतर रहे हैं।बैठक में मोहम्मद इसराइल,गुडिया राईन, संदीप पटेल,शारजाह मास्टर,गायत्री मिश्रा, कुलभूषण साहू,सत्यप्रकाश मौर्या,दिलीप वर्मा,अखिलेश कुमार,राजीव पाठक,संजय पठक्र,राघुनाथ प्रसाद, अलोक दिवेदी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

केंद्र व राज्य सरकार महिलाओं व बेटियों के विकास के लिए चला रही कई योजनाएं – आरुषि पटेल

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।महिलाओं किशोरियों की सुरक्षा के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस सदैव तत्पर है।इनकी अधिकारों, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए पुलिस प्रशासन सदैव उनके साथ खड़ी है।सरकार महिलाओं की किशोरियो के हित रक्षक विभिन्न योजनाओं का संचालन भी कर रही है।उक्त विचार महिला उप निरीक्षक आरुषि पटेल ने मुख्य अतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित महिला सशक्तिकरण समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किया।ग्रामीण क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विभिन्न आयोजन संगठनों ने कार्यक्रमो का आयोजन किया।इसी कड़ी में थाना क्षेत्र के इमलिया ग्राम पंचायत के प्राथमिक विद्यालय पर आरोही संस्था द्वारा पानी संस्थान के

सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ो महिलाओं किशोरियों में भाग लिया।इस अवसर पर किशोरियों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की झड़ी लगा दी।समारोह की अध्यक्षता ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अंतिम सिंह व संचालन सृष्टि यादव ने किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के अलावा विशिष्ट अतिथि उप निरीक्षक राजकुमार साहू ने भी समारोह को संबोधित किया।इस अवसर पर क्षेत्र के दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।इसी तरह ग्राम पंचायत पछियाना पंचायत भवन पर भी आरोही संस्था ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आवेदन किया।मुख्य अतिथि के रूप में उप निरीक्षक श्रीपाद मौर्य रहे।जो महिलाओं को जागरूक किया। साथ में कांस्टेबल अभिषेक यादव ,रिंकी यादव ने महिला सशक्तिकरण के पर्चे पोस्टर भी उपस्थित महिलाओं में वितरित किया ।

पश्क्सो एक्ट के आरोपी को 20 वर्ष की सजा, अदालत ने लगाया 55 हजार का अर्थदंड

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,09 मार्च ।पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा चलाए जा रहे "ऑपरेशन कन्विक्शन" अभियान के तहत जौनपुर पुलिस की प्रभावी पैरवी और गुणवत्तापूर्ण विवेचना के चलते एक महत्वपूर्ण मामले में आरोपी को कड़ी सजा सुनाई गई है। सोमवार को अपर सत्र न्यायाधीश षष्ठम/विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट, जौनपुर की अदालत ने थाना केराकत में दर्ज मुकदमा संख्या 235/24 से संबंधित मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी को दोषी करार दिया। मामले में अभियुक्त राम मिलन पुत्र कविलाश यादव निवासी जखिया थानागद्दी, थाना केराकत, जनपद जौनपुर पर धारा 376, 506 आईपीसी तथा 3/4 पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। सुनवाई के दौरान अदालत ने आरोपी को धारा 506 आईपीसी और 3ध्4 पॉक्सो एक्ट के तहत दोषसिद्ध पाया। अदालत ने आरोपी को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 55,000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि यदि आरोपी अर्थदंड जमा नहीं करता है तो उसे एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। इस मामले में जौनपुर पुलिस द्वारा की गई सटीक विवेचना और अभियोजन पक्ष की प्रभावी पैरवी के चलते न्यायालय ने आरोपी को कठोर सजा सुनाई।

संक्षिप्त खबरें

चौकिया माता दर्शन करने आए किशोर की पोखरे में डूबने से मौत

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,09 मार्च । यूपी के जौनपुर स्थित लाइन बाजार थाना क्षेत्र स्थित चौकिया धाम में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। चौकियां माता के दर्शन करने आए तीन दोस्तों में से एक किशोर की धाम में बने पोखरे में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई और परिजनों में कोहराम मच गया। कमलदीप कश्यप (15) पुत्र संतोष कश्यप निवासी दीवानगंज पट्टी, जनपद प्रतापगढ़ अपने दो दोस्तों के साथ चौकिया माता के दर्शन करने जौनपुर आया था। दर्शन करने के बाद तीनों दोस्त चौकिया धाम परिसर में स्थित पोखरे पर स्नान करने लगे। इसी दौरान अचानक कमलदीप का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया, जिससे वह डूबने लगा। दोस्तों की चीख–पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। स्थानीय लोगों ने काफी प्रयास के बाद किशोर को पोखरे से बाहर निकाला। इसके बाद उसे तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल जौनपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही लाइन बाजार थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। किशोर की मौत की खबर मिलते ही उसके परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के लोग जिला अस्पताल पहुंच गए, जहां उनका रो–रोकर बुरा हाल था।

हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 18 मार्च से शुरू

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की वर्ष 2024 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 18 मार्च से शुरू होगा। यह कार्य 1 अप्रैल तक चलेगा। मूल्यांकन प्रक्रिया सीसीटीवी कैमरों की कड़ी निगरानी और स्टेटिक मजिस्ट्रेटों की तैनाती में पूरी की जाएगी। प्रत्येक मूल्यांकन केंद्र पर जिलाधिकारी स्तर से स्टेटिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किए जाएंगे। मूल्यांकन की निगरानी के लिए एक पर्यवेक्षक भी तैनात होगा। पूरा मूल्यांकन कार्य वॉयस रिकॉर्डर युक्त सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में संपन्न होगा। सभी केंद्रों को जनपद स्तरीय और राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा।हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 18 फरवरी को शुरू हुई थीं और 12 मार्च को समाप्त होंगी। बोर्ड ने परीक्षाओं के समापन से पहले ही मूल्यांकन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। मूल्यांकन केंद्रों पर पुलिस बल भी तैनात रहेगा। केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में धारा 189 लागू की जाएगी। प्रत्येक केंद्र पर मूल्यांकन अवधि के दौरान चार सशस्त्र पुलिसकर्मी मौजूद रहेंगे। मूल्यांकन कार्य समाप्त होने के बाद, उत्तर पुस्तिकाओं के बंडलों को परिषद के क्षेत्रीय कार्यालयों तक पहुंचाने वाले प्रत्येक ट्रक के साथ दो सशस्त्र पुलिसकर्मी भी तैनात किए जाएंगे। माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव ने इस संबंध में मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक, जिला विद्यालय निरीक्षक और प्रधानाचार्यों को पत्र जारी कर दिया है। मूल्यांकन शुरू होने से एक घंटे पहले स्टेटिक मजिस्ट्रेट को केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य होगा। मूल्यांकन केंद्रों पर मोबाइल फोन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा और उत्तर पुस्तिकाओं का सुरक्षित रखरखाव सुनिश्चित किया जाएगा। जिले में बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पांच केंद्रों पर किया जाएगा। इनमें राजकीय इंटर कॉलेज नगर और राजा श्रीकृष्ण दत्त इंटर कॉलेज में हाईस्कूल की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन होगा। जनक कुमारी इंटर कॉलेज हुसैनाबाद और शिया इंटर कॉलेज में इंटरमीडिएट की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाएगा।

मो. सलीम के खिलाफ हिंदू युवा वाहिनी का प्रदर्शन, पुतला फूंका, गर्दन काट कर लाने पर 11 लाख रुपए देने का ऐलान

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,09 मार्च। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर सोमवार को हिंदू युवा वाहिनी की जौनपुर इकाई ने कड़ा विरोध जताया। कार्यकर्ताओं ने आरोपी मो. सलीम के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए उसका पुतला फूंका और जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान संगठन के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि बिहार निवासी एक व्यक्ति, जिसकी पहचान मौलाना अब्दुल्ला सलीम के रूप में बताई जा रही है, ने सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी की है। इसे लेकर संगठन में आक्रोश व्याप्त है। हिंदू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष डॉ. अनिल दुबे ने कहा कि इस तरह की टिप्पणी न केवल मुख्यमंत्री की गरिमा को ठेस पहुंचाती है, बल्कि समाज में वैमनस्य फैलाने का भी प्रयास है। उन्होंने कहा कि ऐसी बयानबाजी से प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश का सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है। संगठन के पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन को दिए ज्ञापन में आरोपी के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार करने की मांग की। साथ ही उन्होंने कहा कि समाज में शांति और समरसता बनाए रखने के लिए ऐसे मामलों में कठोर और विधिसम्मत कार्रवाई बेहद जरूरी है, ताकि भविष्य में कोई भी इस तरह की हरकत करने का साहस न कर सके। इस दौरान संगठन के कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से जल्द से जल्द कार्रवाई करने की मांग की। कार्यक्रम में डॉ. अनिल दुबे, कृष्ण कुमार सहित संगठन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

युवक की तालाब में डूबने से मौत के मामले में परिजनों और ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट परिसर में किया प्रदर्शन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर के जफराबाद थाना क्षेत्र के अहमदपुर गांव में एक युवक की तालाब में डूबने से मौत के मामले में परिजनों और ग्रामीणों ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। उन्होंने जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र को पत्र सौंपकर न्याय की गुहार लगाई। मृतक यश कुमार गौतम की मां सीमा देवी ने आरोप लगाया है कि गांव के ही दो व्यक्तियों ने उनके बेटे को जातिसूचक गालियां देते हुए अवैध रूप से बने मछली तालाब में धकेल दिया था।सीमा देवी के अनुसार, दोपहर करीब 12रू45 बजे रिंकू सिंह (पुत्र सुरेश सिंह) और कृपाशंकर (पुत्र अज्ञात) ने उनके घर के बगल में पूरब दिशा में रास्ते को लेकर अवैध तरीके से मछली पालने के लिए तालाब बनवाया था।आरोपियों

ने मछली डलवाने के दौरान यश कुमार गौतम उर्फ समीर को मां–बहन की भद्दी गालियां दीं और जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया। इसके बाद उसे जबरन तालाब में धकेल दिया।तालाब में गिरने के बाद यश कुमार गौतम उर्फ समीर डूबने लगा। परिजनों का आरोप है कि आरोपी उसे डूबता हुआ छोड़कर मौके से फरार हो गए, जिससे उसकी मौत हो गई। सीमा देवी ने मांग की है कि आरोपियों ने अवैध तरीके से तालाब बनवाकर मछली पालन का कार्य किया है। उन्होंने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई करने और उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की है।परिवार ने मृतक के परिजनों को कृषि भूमि का पट्टा, आर्थिक सहायता और सरकारी नौकरी दिलाने की भी अपील की है। फिलहाल, पुलिस ने इस मामले में अभी तक कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की है।

खेलो खिल खिला के 36 वीं राज्य स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का बेसिक शिक्षक मंत्री ने दीप प्रज्वलित कर किया उद्घाटन

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।सोमवार को परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत नौनिहाल बच्चों खेल प्रतिभा को तराशने और आगे बढ़ाने के लिए तीन दिवसीय 36 वीं राज्य स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारम्भ हुआ।जिसका उद्घाटन माननीय संदीप सिंह,राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उत्तर प्रदेश ने डाभा सेमर स्थित डॉ0 भीमराव अंबेडकर क्रीड़ा संकुल में मां सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ गुब्बारे उड़ाकर कर किया।इस मौके पर जबरदस्त आतिशबाजी भी हुई।इस मौके पर एडी बेसिक कौस्तुभ कुमार सिंह और बीएसए लालचंद द्वारा मुख्य अतिथि और उपस्थित विधायकों को का बैज अलंकरण कर स्वागत किया गया।इस मौके पर मुख्य अतिथि को श्रीराम मंदिर और मोमेंटो दिया गया।कार्यक्रम के प्रारंभ में विभिन्न मंडल के बच्चों द्वारा मुख्य अतिथि को मार्च पास्ट कर सलामी दी गई।बच्चों द्वारा स्वागत गीत और अन्य प्रस्तुतियों ने मैदान में उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।इस मौके पर अयोध्या मण्डल के सुल्तानपुर की अनुश्री द्वारा सभी प्रतिभागियों को शपथ दिलाई गई तथा धाविका अनुश्री द्वारा मशाल दौड़ के साथ प्रतियोगिता की शुरुआत हुई।मुख्य अतिथि बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने कहा कि खेलों में प्रतिभाग के माध्यम से बच्चे अपनी क्षमता को आगे ले जाने के जज्बे के साथ ही टीम और प्रतिस्पर्धा की भावना के विकास, नई– नई चुनौतियों का सामना करने और भय बाधा को पार करते हुए विजय प्राप्त करना सीखते हैं।उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक विकास के साथ ही बच्चे के चरित्र निर्माण में भी भूमिका निभाता है। खेल हमारे सीखने समझने की क्षमता बढ़ाता है और जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करता है।कोई भी खेल हमें नियमों का पालन करना और नियमित जीवन जीना सिखाता है।राज्यमंत्री ने सभी प्रतिभागियों को जीत की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कोई भी हार अंतिम नहीं होती बल्कि एक अच्छे खिलाड़ी के लिए नई शुरुआत का दरवाजा खोलती है, गलतियों में सुधार कर लक्ष्य प्राप्त करने में सहायता करती है। मैदान उपस्थिति बच्चों में ही कोई बच्चा आगे हमारे देश का प्रतिनिधित्व करेगा उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की जिम्मेदारी नई पीढ़ी पर है जो इन खेलों द्वारा ही प्राप्त होगी।प्रतियोगिता आयोजन की सराहना करते हुए बेसिक शिक्षा मंत्री ने एडी बेसिक अयोध्या की सराहना किया और व्यवस्था में लगे सभी व्यायाम शिक्षकों, शिक्षकों और नन्हे मुन्ने बच्चों सभी को शुभकामनाएं दिया।रुदौली विधायक रामचंद्र यादव ने कहा सरकार की योजनाओं से ग्रामीण अंचल से निकलकर बच्चे ब्लॉक,जिला मंडल और प्रदेश स्तर पर नाम रोशन करते है,जो बच्चों को अच्छा करने के लिए प्रेरित करता है।मिल्कीपुर विधायक चंद्रभान पासवान ने कहा कि योगी सरकार में खेलों को बढ़ावा मिला है और बच्चे निरंतर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।भाजपा जिला अध्यक्ष राधेश्याम त्यागी ने क्रीडा प्रतियोगिता अयोध्या में आयोजित करने के लिए बेसिक शिक्षा मंत्री का आभार जताया और बच्चों को शुभकामनाएं दिया।इस अवसर पर एडी बेसिक को कौस्तुभ कुमार सिंह, देवीपाटन एडी बेसिक रमापति राम त्रिपाठी, झांसी एडी बेसिक संतोष देव पांडेय और गोरखपुर एडी बेसिक संगीता सिंह,अयोध्या बीएसए लालचंद ,अमेठी बीएसए संजय तिवारी,बाराबंकी बीएसए नवीन पाठक,अंबेडकर नगर बीएसए शैलेश पटेल, जिला व्यायाम शिक्षक विश्वनाथ सिंह,मंडलीय व्यायाम शिक्षक राहुल तिवारी,संदीप सिंह मो हसन,अनिल सिंह,धीरज शुक्ला ,सरवरे आलम पंकज द्विवेदी नीरज शुक्ला,विवेक सिंह आदि मौजूद रहे।पहले दिन प्राथमिक स्तर मे 400 मी बालिका वर्ग दौड़ प्रतियोगिता में विदुषी पांडेय गाजीपुर ने पहला और रोशनी कासगंज ने दूसरा स्थान बनाया।400 मीटर बालक पर की प्रतियोगिता में कार्तिक अमरोहा ने प्रथम संजय उन्नाव ने दूसरा और राजेंद्र गाजीपुर में तीसरा स्थान बनाया।जूनियर बालिका वर्ग की 600 मी दौड़ प्रतियोगिता में अतिया देवरिया प्रथम शिवांगी यादव जौनपुर द्वितीय और करिश्मा ने तीसरा स्थान पर किया।बालक वर्ग की 600 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में आकाश गाजीपुर प्रथम अर्जुन रामपुर द्वितीय अमन बुलंदशहर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

रंगारंग कार्यक्रमों के बीच होली मिलन का कार्यक्रम संपन्न

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।अग्रवाल महिला सभा द्वारा आयोजित होली और अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का कार्यक्रम कैंट स्थित मैसानिक लाज के प्रांगण में धुमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से किया गया जिसको रामाया सिंघल ने प्रस्तुत किया।इस मौके पर माही अग्रवाल, शुभी, ममता, सौम्या, शिवांगी, के द्वारा सुन्दर रील की प्रस्तुति दीं गयीं साथ साथ लीना और दीप्ति ने भी एक रील प्रस्तुत की। होली मिलन समारोह में कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण धराना पांडे का फाल्गुन की लोकगीत था। ६ ाराना पाण्डेय ने महिला दिवस पर अपनी एक कहानी हमें सिखाती हैं कि अगर आपमें प्रतिभा और मेहनत हैं, तो आप किसी भी क्षेत्र में सफल हो सकते हैं।उनकी मेहनत और सम्पर्ण उन्हें एक आदर्श शिक्षक और प्रेरणा का स्त्रोत बनाते हैं।सारिका अग्रवाल ने गेम खिला कर बच्चे बड़े सबका खूब मनोरंजन कराया।कार्यक्रम का संचालन मोनिका गुप्ता द्वारा किया गया।कार्यक्रम के अंत में फूलों की होली के साथ संगीत का समां बंध गया।कोमल और अर्पिता ने नृत्य किया।होली मिलन समारोह में उषा अग्रवाल, स्नेहालता अग्रवाल,बीना, उमा,विजय लक्ष्मी, छाया, संगीता ,ममता आदि उपस्थिति रहीं।कार्यक्रम के अंत में अध्यक्षा प्रीति बंसल एवं सचिव सीमा अग्रवाल फुलों की होली के साथ सबका धन्यवाद ज्ञापित किया ।

गैस सिलेंडर न मिलने से शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक गैस उपभोक्ता हो रहे परेशान

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।इस समय शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक एक बार फिर घरेलू गैस सिलेंडर के लिए गैस उपभोक्ता गैस एजेंसी पर चक्कर लगा रहे हैं।जहां पर उन्हें निराशा ही हाथ लग रही है। जिसके चलते होटल,रेस्टोरेंट, ढाबा, ठेले वाले के साथ–साथ अन्य गैस उपभोक्ता उपभोक्ता ऊंचे दामों में ब्लैक में सिलेंडर लेने को मजबूर हो रहे हैं।वहीं कुछ गैस उपभोक्ता अधि ाकारियों व जिला पूर्ति कार्यालय के साथ–साथ नेताओं, अधिकारियो के आवास पर भी चक्कर लगा रहे हैं कि जिससे उनके कहने पर सिलेंडर उपलब्ध हो जाए।इस समय सबसे अधिक दिक्कत उन लोगों के यहां है जिनके यहां शादिया पड़ी व कार्यक्रम पड़े हुए हैं।इसके अलावा जिनके यहां सिलेंडर नहीं है,उनको भी काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।वहीं इससे संबंधित एजेंसी के कर्मी खुद ही इस समस्या को गंभीर मानते हुए कह रहे हैं कि अभी उन्हीं लोगों को पहले सिलेंडर आपूर्ति किया जा रहा है जो सबसे पहले बुक कराए थे।उन्होंने गैस उपभोक्ताओं से अपील किया है कि वे सभी समय से पहले सिलेंडर बुक कर लें जिससे कि उन्हें समय से सिलेंडर की आपूर्ति किया जाता रहे। इस संबंध में जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार मिश्रा ने बताया कि सिलेंडर आपूर्ति में कोई दिक्कत नहीं है सभी को सिलेंडर समय समय से उपलब्ध ा होता रहा है और आगे भी उपलब्ध होता रहेगा। किसी भी गैस उपभोक्ता को किसी भी प्रकार के असुविधा नहीं हो रही है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला एसओ ने महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर तथा एसपी ग्रामीण ६ मिशन शक्ति फेज 5 नोडल प्रभारी बलवंत चौधरी के निर्देश व सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति फेज–5 के तहत महिला थाना पुलिस ने गुलाब बाड़ी सहित अन्य स्थानों पर जाकर महिलाओ व बालिकाओं को पंपलेट, पोस्टर के माध्यम से जागरुक किया।इस मौके पर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने महिला उप निरीक्षक स्वेता राठौर,महिला कांस्टेबल प्रेया सिंह, म.का.पूनम यादव ने शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं बारे में बताया।उन्होंने विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना ,बाल विवाह मुक्त भारत अभियान और हेल्पलाइन नंबर के बारे में बालिकाओं

ध्महिलाओं को जागरूक किया गया और महिला अपराध संबंधित अपराध के बारे मे अवगत कराया गया व उन्हें किसी भी प्रकार पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।

मिल्कीपुर विधायक ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर हैरिंगटनगंज का नाम बदलने की मांग

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।जिले के मिल्कीपुर विधायक चंद्रभानु पासवान ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर क्षेत्रीय विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों को उनके समक्ष रखा। इस दौरान उन्होंने हैरिंग्टनगंज का नाम बदलकर स्वामी वामदेव के नाम पर या विष्णु नगर करने की मांग करते हुए अनुरोध पत्र सौंपा।विधायक चंद्रभानु पासवान ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव के दौरान 24 जनवरी 2025 को हैरिंग्टनगंज में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री द्वारा हैरिंग्टनगंज का नाम बदलने की घोषणा की गई थी।स्थानीय जनता की भावनाओं को ६ यान में रखते हुए अब इस घोषणा को अमल में लाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोग लंबे समय से इस मांग को उठा रहे हैं,

इसलिए जनभावनाओं के अनुरूप नाम परिवर्तन की प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जानी चाहिए।इसके अलावा विध ाायक ने क्षेत्र के कई संपर्क मार्गों के नवनिर्माण की भी मांग की। उन्होंने पिडोरा तिनपेडवा से पूरे नयन तिवारी का पुरवा होते हुए सागर पट्टी तक लगभग 2700 मीटर, ग्राम पंचायत चिखड़ी में पूरे खुन–खुन उपाध्याय का पुरवा से फुलवारिन माई तक करीब 700 मीटर, बीकापुरदइनायतनगर मार्ग पर घुरेहटा जानकी पंडित के पुरवा से प्राथमिक विद्यालय पूरे गुमान दूबे होते हुए नहली के पुरवा तक लगभग 1.5 किलोमीटर तथा मिल्कीपुर के भिटारी संपर्क मार्ग से लखिया चौबे का पुरवा, निमडी गांव होते हुए मनसा देवी मंदिर तक लगभग 1300 मीटर सड़क निर्माण की आवश्यकता बताई।मुख्यमंत्री ने विधायक से क्षेत्रीय विकास कार्यों की जानकारी ली और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार करने तथा पात्र लोगों तक उनका सरकारी योजनाओं को पहुंचाने के निर्देश दिए।

रघुकुल सदन देवकाली परिसर मे हुआ होली मिलन समारोह का आयोजन

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।लघु उद्योग भारती द्वारा रघुकुल सदन देवकाली में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर संतों,उद्यमियों, विधायकों, व्यवसायियों ने उल्लासपूर्ण माहौल में फूलों की होली खेलकर होली की बधाई दिया।कार्यक्रम के संयोजक आशीष अग्रवाल ने बताया कि, समारोह में आने वाले अतिथियों को गुलाल लगाकर एवं अंगवस्त्र पहना कर लघु उद्योग भारती के सचिव विक्रम माकीन, उपाध्यक्ष अजय खन्ना, मंडल सचिव सर्वज्ञ सिंह, कोषाध्यक्ष आशीष आनंद एवं सदस्य संजय अग्रवाल ने अभिनंदन किया। समारोह का संचालन कर रहे अरुण कुमार अग्रवाल ने अतिथियों को मंच पर आमंत्रित किया।जिला अध्यक्ष संजीव गोयल ने होली की बधाई देते हुए सभी का स्वागत किया।लघु उद्योग भारती के प्रांतीय अध्यक्ष रविन्द्र सिंह ने लघु उद्योग भारती की जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा 1994 में गठित इस संगठन में आज पूरे देश के प्रत्येक राज्य में 70 हजार से अधिक सदस्य हैं। उद्योगों के माध्यम से राजस्व प्रदान करते हुए ष्राष्ट्र हित सर्वोपरिष इस संगठन का मूल मंत्र है। सरकार से उद्योग जगत की समस्याओं का निदान कराने के लिए लघु उद्योग भारती सेतु का काम कर रही है। महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने अयोध्या के उद्यमियों और व्यवसायियों को होली की बधाई देते हुए कहा कि अयोध्या ने आर्थिक विकास में एक नया इतिहास रच दिया है। स्थानीय उत्पादों का बाजार विकसित होना अयोध्या के लिए बहुत ही शुभ है।रुदौली विधायक रामचंद्र यादव ने भारत की अर्थव्यवस्था विकसित करने में ग्रामीण और लघु उद्योगों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। गोसाईगंज विधायक अभय सिंह सिंह ने आयोजक मंडल को बधाई देते हुए कहा कि होली के अवसर पर इस समारोह से आपसी सौहार्द और प्रेम बढ़ता है, उन्होंने अयोध्या जिले उद्यमियों से सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को बढ़ावा देने की अपील की।अयोध्या विधायक एवं व्यापारी समाज के संरक्षक वेद प्रकाश गुप्ता ने बधाई देते हुए कहा कि योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में उद्योगों को निर्बाध बिजली आपूर्ति और सुरक्षा संजीवनी का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि उद्यमी संगठनो की समस्याओं के समाधान के लिए वह हर समय उपलब्ध हैं।समारोह के विशिष्ट अतिथि हनुमंत सदन के महंत मिथिलेश नंदनी शरण ने वसंत ऋतु को ऋतुओं की सर्वश्रेष्ठ काल बताते हुए कहा, अयोध्या की परम्परा में बसंत पंचमी से होली तक बसंत उत्सव मनाने का उल्लेख है, जिसमे प्रभु श्रीराम को सरसों, गेहूं की बाली एवं पीले पुष्पों से बसंत दर्शन कराये जाते हैं। होली एक ऐसा पर्व है, जिसमें लोग स्वयं को रंग ना लगा कर दूसरों को रंग लगा प्रेम बढ़ाते हैं। भगवान कुश द्वारा नागेश्वरनाथ महादेव को साक्षी मानकर जो रघुकुल स्थापित किया गया, हम सब उसी परंपरा में अयोध्या को आगे बढ़ाने का गौरव प्राप्त कर रहे हैं। समारोह के मुख्य अतिथि श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय जी ने अयोध्या के व्यवसायियों और उधमियों को शुभकामना देते हुए आगामी १६ मार्च को आयोजित होने वाले ष्श्री राम यन्त्रष की स्थापना कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी।समारोह के जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन धर्मेंद्र प्रताप सिंह टिल्लू, पेट्रोलियम डीलर अध्यक्ष राजेश सिंह, भाजपा नेता शक्ति सिंह, अभय सिंह, अवधेश वर्मा, उद्यमी अविनाश चंद्रा, संभाग महामंत्री अरुण भाटिया, श्यामपाल चोपड़ा, पवन जीवानी, ओम प्रकाश जायसवाल, आई आई ए अध यक्ष सुमित जायसवाल, पीयूष चंद्रा,पुरुषार्थ तोलानी, शांतनु सिंह, सीए सजन कुमार अग्रवाल, संजय अग्रवाल, कर अधिवक्ता आनंद सिंघल, अरविंद अग्रवाल, राम निवास अग्रवाल, पदम कांत सक्सेना, संघ प्रचारक बालेंदु जी सहित उद्यमी सम्मिलित हुए। समारोह के अंत में अनुराग अग्रवाल, अमित केडिया, संजीव गोयल, आशीष अग्रवाल ने अतिथियों को शाल प्रदान कर उनके प्रति आभार प्रकट किया।

सीडीओ ने श्रम विभाग से संबंधित योजनाओं के प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियो को दिये निर्देश

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।डीएम निखिल टीकाराम फूंडे के निर्देश पर सीडीओ कृष्ण कुमार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में श्रम विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं के प्रभावी संचालन एवं प्रगति की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई।बैठक में प्रधानमंत्री विकसित भारत योजना, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, प्रधानमंत्री लघु व्यापारी मानधन योजना, ई–श्रम पोर्टल, जीरो पावर्टी अभियान, जिला श्रम बन्धु, बाल एवं बंधुवा श्रम उन्मूलन तथा भीमराव अंबेडकर श्रमिक सुविधा केंद्र योजना (लेबर अड्डा) के संचालन एवं प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का अधिक से अधिक पंजीकरण ई–श्रम पोर्टल पर कराया जाए, ताकि उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को पेंशन योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना एवं प्रध ाानमंत्री लघु व्यापारी मानधन योजना से जोड़ने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए।बैठक में डॉ. भीमराव अंबेडकर श्रमिक सुविधा केंद्र (लेबर अड्डा) के प्रभावी संचालन पर भी चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिया कि श्रमिक सुविधा केंद्र (लेबर अड्डा) के निर्माण के लिए जो भी मानक निर्धारित किए गए हैं उनका पूर्णता पालन कराया जाए। जिससे कि श्रमिकों को एक ही स्थान पर पंजीकरण, जानकारी एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सके। साथ ही बाल श्रम एवं बंधुवा श्रम उन्मूलन के लिए सतत निरीक्षण एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप श्रमिकों के कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।इस अवसर पर सहायक श्रम आयुक्त एन.के. चौधरी, नगर मजिस्ट्रेट सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित

वाराणसी में जमीन विवाद- अधिवक्ता जितेन्द्र तिवारी पर धोखाधड़ी, जालसाजी और विश्वासघात के गंभीर आरोप

देश की उपासना समाचार पत्र
धनन्जय विश्वकर्मा

वाराणसी, मार्च 2026। तहसील पिंडरा, जिला वाराणसी के ग्राम रसूलपुर निवासी अधिवक्ता जितेन्द्र कुमार तिवारी उर्फ पप्पू फर्जिया, पुत्र मुरलीधर तिवारी, पर भूमि से जुड़े मामलों में धोखाधड़ी, जालसाजी, पेशेवर कदाचार और विश्वासघात के गंभीर आरोप लगे हैं। इस संबंध में मुंबई निवासी शिकायतकर्ता राहुल अनिलराज त्रिपाठी ने बार काउंसिल, पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष विस्तृत शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, अधिवक्ता तिवारी को एक पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर संबंधि ात भूमि का राजस्व अभिलेखों में नामांतरण कराने का कार्य सौंपा गया था। यह भूमि ग्राम रसूलपुर, कृष्णापुर कलां और कोइरिपुर कलां, तहसील पिंडरा में स्थित बताई गई है। वसीयत के अनुसार इन संपत्तियों का विधिक स्वामित्व राहुल अनिलराज त्रिपाठी को प्राप्त हुआ था।

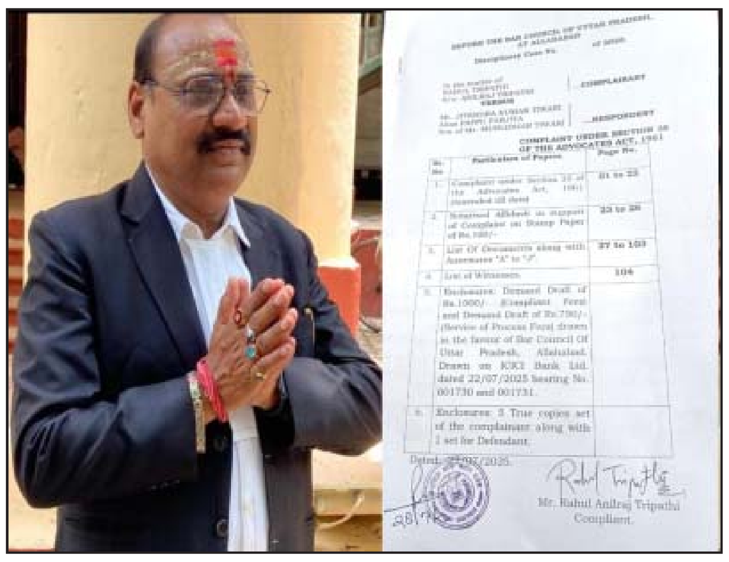

आरोप है कि अधिवक्ता तिवारी ने इस कार्य के लिए ध्15,000 की पेशेवर फीस ली, लेकिन इसके बाद न तो नामांतरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई और न ही कोई विधिक कार्रवाई की। शिकायत में यह भी कहा गया है कि उन्होंने एक तीसरे व्यक्ति किशोर त्रिपाठी को कथित रूप से उत्तराधिकारी बताकर गांव मौजा कृष्णापुर कलां, परगना अठगावा, आराजी नंबर 127 की लगभग 166 वर्ग मीटर भूमि के संबंध में अवैध पंजीकृत बिक्री अनुबंध ा कराने की साजिश रची, जबकि उस व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई वैध अधिकार या नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज नहीं था। इसी प्रकार एक अन्य आरोप में कहा गया है कि अधिवक्ता तिवारी ने अपने भाई अशोक कुमार तिवारी उर्फ कालीचरन के पक्ष में गांव मौजा रसूलपुर, आराजी नंबर 20 की लगभग 127 वर्ग मीटर भूमि के कथित फर्जी दस्तावेज तैयार कराकर तीसरे व्यक्ति से अवैध क्रय–विक्रय कराया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि अधिवक्ता तिवारी को राहुल त्रिपाठी के वैध स्वामित्व, विधिक अधिकार और भूमि पर वास्तविक कब्जे की पूरी जानकारी थी, इसके बावजूद उन्होंने कथित रूप से धोखाधड़ी कर उनके अधि ाकारों को नुकसान पहुंचाने की साजिश रची। मामले में एक और गंभीर आरोप यह भी लगाया गया है कि अधिवक्ता जितेन्द्र कुमार तिवारी द्वारा प्रयुक्त वकालत की सनद भी संदिग्ध है और इसे कथित रूप से फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्रों के आधार पर प्राप्त किया गया हो सकता है। इस संबंध में बार काउंसिल उत्तर प्रदेश से उनके नामांकन की विस्तृत जांच की मांग की गई है। शिकायतकर्ता राहुल त्रिपाठी ने अधिवक्ताओं अधिनियम, 1961 की धारा 35 के तहत बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के समक्ष औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। बार काउंसिल द्वारा शिकायत प्राप्त कर मामले का संज्ञान लिया गया है और आगे की जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि अधिवक्ता जितेन्द्र कुमार तिवारी और उनके भाई अशोक कुमार तिवारी उर्फ कालीचरन तहसील पिंडरा क्षेत्र में कथित रूप से भूमि कब्जाने वाले गिरोह के रूप में सक्रिय हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, अधिवक्ता तिवारी स्वयं को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का व्यापारिक सहयोगी और व्यक्तिगत अधिवक्ता बताते हैं। शिकायतकर्ता ने आशंका जताई है कि ऐसी राजनीतिक पहचान का उपयोग क्षेत्रीय लोगों को प्रभावित करने और भ्रमित करने के लिए किया जा सकता है। शिकायतकर्ता राहुल त्रिपाठी के अनुसार, उनके स्वर्गीय दादा श्यामाचरण नर्मदा त्रिपाठी ने 14 अक्टूबर 2022 को पंजीकृत वसीयत के माध्यम से अपनी संपत्तियां उन्हें प्रदान की थीं। बाद में उक्त वसीयत न्यायालय में सिद्ध होने के बाद सिविल जज (सीनियर डिवीजन), वसई द्वारा प्रोबेट प्रमाणपत्र भी जारी किया गया। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि पिंडरा तहसील के ग्राम रसूलपुर, कृ ष्णापुर कलां सहित अन्य क्षेत्रों की भूमि के संबंध में कुछ व्यक्तियों द्वारा कथित रूप से फर्जी दस्तावेज तैयार कर अवैध लेन–देन करने और राजस्व अभिलेखों में बदलाव कराने का प्रयास किया गया। पीड़ित पक्ष ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न ६ ााराओं के तहत अपराध दर्ज कर निष्पक्ष जांच की मांग की है। साथ ही प्रशासन से अनुरोध किया है कि संबंधित भूमि पर किसी भी प्रकार के अवैध हस्तांतरण या कब्जे को रोकने के लिए तत्काल प्रभाव से कदम उठाए जाएं। इस मामले में पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्राप्त शिकायत और उपलब्ध दस्तावेजों की जांच की जा रही है तथा तथ्यों के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और आने वाले दिनों में इस संबंध में आगे की कानूनी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

छत से कूदकर घर में घुस रहे युवक को लोगों ने पकड़ा, पुलिस ने बताया विक्षिप्त

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। छत से कूदकर घर में घुस रहे युवक को लोगों ने पकड़ा, किया पुलिस के हवाले,नगर कोतवाली क्षेत्र में एक युवक के छत से कूदकर घर में घुसने की कोशिश का मामला सामने आया। राजकीय इंटर कॉलेज के सामने स्थित आलोक श्रीवास्तव के आवास पर करीब 1रू30 बजे एक युवक छत के रास्ते घर में घुस रहा था।संदिग्ध गतिविधि देख आसपास के लोगों ने युवक को पकड़ लिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे लोगों ने उसे चौकी प्रभारी रिकाबगंज रघुवीर सिंह के हवाले कर दिया। पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है और मामले की जांच में जुटी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक की हरकत से इलाके में कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया।,नगर कोतवाली क्षेत्र में एक युवक के छत से कूदकर घर में घुसने की कोशिश का मामला सामने आया। राजकीय इंटर कॉलेज के सामने स्थित आलोक श्रीवास्तव के आवास पर करीब 1रू30 बजे एक युवक छत के रास्ते घर में घुस रहा था। संदिग्ध गतिविधि देख आसपास के लोगों ने युवक को पकड़ लिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे लोगों ने उसे चौकी प्रभारी रिकाबगंज रघुवीर सिंह के हवाले कर दिया। पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है और मामले की जांच में जुटी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक की हरकत से इलाके में कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। इस संबंध में चौकी प्रभारी रिकाबगंज रघुवीर ने बताया कि पकड़ा गया युवक विक्षिप्त दिखाई दे रहा है।उसके परिवार को बुलाया गया है।

राम मंदिर समेत परकोटे के मंदिरों में दर्शन के लिए अलग अलग पास होगा जारी

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।राम मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं को परकोटे के छह मंदिरों के साथ शेषावतार मंदिर, सप्त मंडपम और कुबेर टीला के दर्शन कराने के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने नई व्यवस्था लगभग लगभग तैयार कर लिया है।इसके लिए विशेष सॉफ्टवेयर विकसित कराया गया है।नई व्यवस्था के तहत पास जारी करके रोज 5 हजार श्रद्धालुओं को दर्शन कराया जाएगा।यह व्यवस्था रामनवमी के बाद लागू होगी।भवन निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि मंदिर निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है और परिसर के सभी प्रमुख निर्माण भी अंतिम चरण में हैं। अब श्रद्धालुओं को पूरे परिसर का दर्शन कराने की तैयारी की जा रही है, लेकिन सुरक्षा को देखते हुए सीमित संख्या में ही श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया जाएगा।मिश्र ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 19 मार्च को अयोध्या आएंगी। इसके लिए राष्ट्रपति भवन से सहमति पत्र मिल गया है।राष्ट्रपति रामलला के दर्शन करने के साथ मंदिर के दूसरे तल पर श्रीराम यंत्र स्थापना के पूजन में शामिल होंगी।इसके बाद वे परकोटे के मंदिरों, सप्त मंडपम,शेषावतार मंदिर और कुबेर टीला में भी दर्शन करेंगी। भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 19 मार्च को अयोध्या आएंगी।इसके लिए राष्ट्रपति भवन से सहमति पत्र मिल गया है।राष्ट्रपति रामलला के दर्शन करने के साथ मंदिर के दूसरे तल पर श्रीराम यंत्र स्थापना के पूजन में शामिल होंगी।इसके बाद वे परकोटे के मंदिरों, सप्त मंडपम, शेषावतार मंदिर और कुबेर टीला में भी दर्शन करेंगी।राष्ट्रपति के कार्यक्रम को देखते हुए राम मंदिर की बाहरी सुरक्षा दीवार का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। ट्रस्ट के अनुसार उत्तर दिशा में करीब 100 मीटर लंबाई में आधुनिक उपकरणों से लैस सुरक्षा दीवार का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है।निर्माण एजेंसी इंजीनियरिंग इंडिया लिमिटेड को यह कार्य कार्यक्रम से पहले पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

राजर्षि दशरथ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (दर्शन नगर) में टीबी (क्षय रोग) के गरीब मरीजों के साथ हो रहा अन्याय

(राजेश श्रीवास्तव जिला संवाददाता)

अयोध्या।राजर्षि दशरथ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (दर्शन नगर) में टीबी (क्षय रोग) के गरीब मरीजों के साथ कथित तौर पर बड़ा अन्याय हो रहा है।देखा जाये तो इस समय सरकार द्वारा टीबी मरीजों को मुफ्त दवाएं उपलब्ध कराने और प्रतिमाह ध्500 की आर्थिक सहायता उनके खाते में भेजने के बावजूद,यहां के टीबी एवं चेस्ट विभाग में विभागाध्यक्ष सहित कुछ डॉक्टर मोटे कमीशन के लालच में मरीजों को बाहर से महंगी दवाएं लिख रहे हैं।यहां पर आसपास के जिलों से अपना इलाज करने आने वाले मरीजों का आरोप है कि कॉलेज में ही सारी जरूरी दवाएं उपलब्ध हैं,फिर भी डॉक्टर जानबूझकर प्राइवेट दुकानों से महंगी दवाएं खरीदने को मजबूर कर रहे हैं।बताते चले कि जनपद अंबेडकर नगर से आए मरीज केदारनाथ अग्रहरी ने बताया कि उनकी टीबी की जांच के बाद डॉक्टर ने बाहर से ध्450 की दवा लिखी।उन्होंने कहा, ष्अगर महंगी दवा ही खरीदनी है तो सरकारी अस्पताल में आने की क्या जरूरत?ष इसी तरह गोंडा जिले से आए सुजीत कुमार को तीन महंगी दवाएं बाहर से खरीदनी पड़ीं, जिनकी कीमत करीब ध्1000 आई। उनके पास पैसे नहीं थे, इसलिए भाई से ऑनलाइन पैसे मंगवाकर दवा ली। अयोध्या के ही पूरा बाजार निवासी राज नारायण को भी ध्650 की कमीशन वाली दवा बाहर से खरीदनी पड़ी।सभी मरीजों और तीमारदारों का एक ही कहना है कि डॉक्टर कमीशन के लालच में सरकारी दवाओं को नजरअंदाज कर बाहर की महंगी दवाएं थोप रहे हैं। इससे गरीब मरीजों पर दोहरा बोझ पड़ रहा हैकृएक तरफ बीमारी का दर्द, दूसरी तरफ आर्थिक संकट।टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत मुफ्त इलाज और पोषण सहायता का प्राव६ ाान होने के बावजूद यह स्थिति मरीजों में आक्रोश पैदा कर रही है।मरीजों ने प्रशासन से मांग की है कि जांच हो और दोषी डॉक्टरों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि सरकारी स्वास्थ्य सुविधा का लाभ गरीबों तक सही तरीके से पहुंचे।यह मामला स्वास्थ्य व्यवस्था में पारदर्शिता और नैतिकता की कमी को उजागर करता है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।